RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 7, अंकः 106, शनिवार, 30 मई 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

"महावारी स्वच्छता सप्ताह का हुआ आयोजन" छात्राओं व महिलाओं को किया जागरूक... 03

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर सीमांचल पहुंची संकल्प-सह-जनजागरण यात्रा, शिक्षकों ... 04

सान्या मल्होत्रा ने 'सुंदर पूनम' के सेट से साझा किए यादगार पल 07

संक्षिप्त समाचार

मंदी के बीच भी भारत बना रहेगा मजबूत अर्थव्यवस्था

- राहत की खबर, 6.5 फीसदी रह सकती है विकास दर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनियाभर के मुख्य अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि अगले एक साल में वैश्विक आर्थिक विकास धीमा होगा, लेकिन भारत एक ऐसे क्षेत्र के तौर पर सबसे अलग है जहां विकास की उम्मीदें सबसे ज्यादा हैं। वर्ल्ड इकोनमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) ने गुरुवार को एक सर्वे में यह बात कही। अपने ताजा चीफ इकोनमिस्ट्स आउटलुक में डब्ल्यूईएफ ने कहा कि सर्वे में शामिल लगभग दस में से नौ मुख्य अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि आने वाले साल में वैश्विक विकास धीमा होगा। हालांकि, सिर्फ 13 प्रतिशत लोगों को लगता है कि वैश्विक मंदी आ सकती है। सर्वे के मुताबिक, 94 प्रतिशत लोगों को उम्मीद है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद होने से वैश्विक महंगाई बढ़ेगी, जिससे ऊर्जा और खाने-पीने की चीजों की कीमतें बढ़ेंगी और सप्लाई चेन में रुकावट आएगी। मुख्य अर्थशास्त्रियों ने स्ट्रेट आफ होर्मुज के मौजूदा समय तक बंद रहने की स्थिति को पिछले साल की टैरिफ (शुल्क) से जुड़ी उथल-पुथल के मुकाबले कहीं ज्यादा नुकसान पहुंचाने वाला बताया है। सर्वे में कहा गया है कि इस संकट का सबसे ज्यादा असर पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीकी क्षेत्रों पर पड़ने की उम्मीद है।

मणिपुर में तनाव के बीच सुरक्षाबलों का ऐक्शन

- बंधकों का पता लगाने में जुटीं एजेंसियां, मुख्यमंत्री ने दी जानकारी

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने गुरुवार को कहा कि सुरक्षा बल सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए लोगों का पता लगाने के लिए इलाके में खोजबीन अभियान चला रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कांगपोकपी जिले के माखन नगा गांव के दौरे के दौरान बताया कि छह नगा लोगों के अपहरण में शामिल होने के संदेह में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है और बंधकों का पता लगाने के लिए खोजबीन अभियान जारी है। कांगपोकपी और सेनापति जिलों में 13 मई को सशस्त्र समूहों द्वारा 38 से अधिक लोगों का अपहरण करके उन्हें बंधक बना लिया गया। इनमें से 31 लोगों को रिहा कर दिया गया है, जिनमें 12 नगा महिलाएं और 16 कुकी शामिल हैं। हालांकि, छह नगा पुरुष अब भी बंधक बनाकर रखे गए हैं और उनके ठिकाने का अब तक पता नहीं चल पाया है। वहीं, बुधवार को अखिल मणिपुर नुपी मारुप संगठन ने बंधकों की तत्काल रिहाई की मांग को लेकर इंफाल के इरावत भवन में विरोध प्रदर्शन किया। संगठन ने राज्यपाल को ज्ञापन दिया।

हमें अपने 'युवाओं' को निराश नहीं करना चाहिए

- नीट यूजी केस में सुप्रीम कोर्ट की दो टूक, केन्द्र से मांगा हलफनामा

कहा-जब तक जवाबदेही तय नहीं होगी, असल समस्या हल नहीं होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट यूजी पेपर लीक मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को अहम सुनवाई हुई। इस दौरान शीर्ष कोर्ट ने कहा कि जब तक वास्तविक जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक असल समस्या हल नहीं होगी। हमें अपने युवाओं को निराश नहीं करना चाहिए। यदि ऐसा कुछ हो जाए तो यह वास्तव में बहुत ही दुखद होता है। उच्चतम न्यायालय ने केंद्र से हलफनामा दाखिल करने को कहा, मामले की सुनवाई जुलाई के दूसरे सप्ताह तक के लिए स्थगित की। वहीं सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि प्रधानमंत्री स्वयं निगरानी कर रहे हैं ताकि कोई खामी न रह जाए।

सुप्रीम कोर्ट में एनटीए ने दाखिल किया जवाब

इससे पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सुप्रीम कोर्ट में अपना विस्तृत जवाब दाखिल किया है। एनटीए ने कोर्ट को बताया कि परीक्षा की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहले ही कई ठोस कदम उठाए जा चुके हैं और भविष्य में भी मजबूत व्यवस्था लागू की जाएगी। एनटीए ने अपने हलफनामे में सुप्रीम कोर्ट को अवगत कराया कि हाई स्टेक परीक्षाओं में पेपर सेटर, मॉडरेटर, अनुवादक, प्रूफरीडर आदि को चुनने के लिए रैंडमाइजेशन और रोटेशन पॉलिसी को संस्थागत रूप दिया जा रहा है।

एनटीए ने बताया- एग्जाम को लेकर उठा रहे क्या स्टेप

एनटीए ने हलफनामे में बताया कि परीक्षा से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के बैकग्राउंड को चेक करने में सख्त वेरिफिकेशन प्रक्रिया अपनाई जाएगी। मानवीय हस्तक्षेप को कम करने और सुरक्षा जोखिम घटाने के लिए एनटीए अब अनुवाद कार्य के कम से कम 85 फीसदी हिस्से में एआई-बेस्ड टूल्स का उपयोग करेगी। इससे प्रक्रिया तेज, पारदर्शी और सुरक्षित होगी। एनटीए ने शीर्ष कोर्ट को बताया कि परीक्षा सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए देशभर के जाने-माने सरकारी संस्थानों में कम से कम 1,000 अत्याधुनिक सुरक्षित टेस्टिंग सेंटर बनाने की योजना है। इन केंद्रों पर क्लाउड-बेस्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई-एमएल, ब्लॉक चेन तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। पूरी प्लानिंग और एग्जीक्यूशन प्रोसेस की अंतरराष्ट्रीय सहयोग के साथ निगरानी की जाएगी। तकनीकी मजबूती की बात करें तो केंद्रों पर एआई-इनेबल्ड रियल-टाइम सीसीटीवी मॉनिटरिंग लागू की जा रही है।

हाईकोर्ट 3 महीने से ज्यादा फैसला सुरक्षित न रखें

- **सुप्रीम कोर्ट का निर्देश**-जमानत पर आदेश उसी दिन या अगले दिन दें, अपलोड तुरंत करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने देशभर के सभी हाईकोर्ट में फैसलों में देरी पर चिंता जताई है। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा, 'किसी भी मामले में फैसला सुरक्षित (रिजर्व) रखने के बाद उसे 3 महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए। अगर 3 महीने तक फैसला नहीं आता है, तो हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल उस मामले

को चीफ जस्टिस के सामने रखेंगे। सीजेआई सूर्यकांत की अगुआई वाली बेंच ने यह भी कहा कि जमानत याचिकाओं पर आदेश उसी दिन सुनाया जाए। अगर फैसला सुरक्षित रखा जाता है, तो उसे अगले दिन जरूर जारी किया जाए और तुरंत वेबसाइट पर अपलोड किया जाए। कोर्ट ने इस संबंध में 12 निर्देश जारी किए। ये निर्देश झारखंड सरकार से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान दिए गए, जिसमें आरोप था कि हाईकोर्ट ने 2022 से फैसला नहीं सुनाया है।

सुप्रीम कोर्ट ने सभी हाईकोर्ट को 12 निर्देश दिए

निजी स्वतंत्रता से जुड़े मामले, जिनमें रेगुलर बेल, अग्रिम जमानत के सामने शामिल हैं, उनमें हाईकोर्ट को तेजी दिखानी चाहिए। जमानत याचिकाओं की सुनवाई कर आदेश उसी दिन सुनाया और अपलोड किया जाना चाहिए। यदि ऑर्डर रिजर्व रखा जाता है, तो उसे अगले दिन सुनाया जाए। जमानत, सजा पर रोक के आदेश की सूचना जेल प्रशासन को तुरंत भेजी जाए, ताकि आरोपी/दोषी को उसी दिन या अगले दिन रिहा किया जा सके, बशर्ते वह किसी दूसरे केस में वॉन्टेड न हो। या जमानत की शर्तों का पालन न रह गया हो। अगर मामला आपराधिक केस, फांसी की सजा से जुड़ा है, और आरोपी जेल में है तो जज फैसला सुरक्षित रखने के 7 दिन के अंदर दोनों पक्षों से स्पष्टीकरण मांग सकते हैं।

सास और पति 5 दिन की सीबीआई रिमांड पर

ट्विशा केस

- *आमने-सामने बैठाकर पूछताछ होगी, और कसा शिकंजा*
- *एक्ट्रेस के आखिरी घंटों का वर्चुअल रीक्रिएशन करेंगे*

भोपाल (एजेंसी)। एक्ट्रेस और मॉडल ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह को स्पेशल कोर्ट में पेश किया। जांच एजेंसी ने दोनों की 5-5 दिन की रिमांड मांगी। कोर्ट ने रिमांड मंजूर कर ली है। वहीं, आरोपी पक्ष के वकील ने भी रिमांड की मांग का विरोध नहीं किया। समर्थ सिंह पहले से 7 दिन की सीबीआई रिमांड पर था। शुक्रवार को रिमांड खत्म होने पर उसे दोबारा कोर्ट में पेश किया गया। दोपहर 12.34 बजे से 2.08 बजे तक दोनों आरोपी कोर्ट रूम में मौजूद रहे। इसके बाद सीबीआई टीम उन्हें अपने साथ लेकर रवाना हो गई। सूत्रों के मुताबिक, रिमांड के दौरान सीबीआई गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी। जांच एजेंसी समर्थ से यह भी पूछेगी कि फरारी के दौरान वह कहां रहा और किन लोगों के संपर्क में था। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, जांच में अब टनल व्यू इन्वेस्टिगेशन तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा।

- **डिजिटल एविडेंस का इन्वेस्टीगेशन कर रही सीबीआई**- 28 मई की सुबह साढ़े 10 बजे सीबीआई की टीम गिरिबाला सिंह के घर पहुंची थी। जहां एक कमरे में 7 घंटे से ज्यादा समय तक पूछताछ करने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। जांच एजेंसी ने 25 मई की रात इस मामले में औपचारिक एफआईआर दर्ज की थी। बीते तीन दिन में सीबीआई ने पूरे घटनाक्रम की कड़ियां जोड़ने का प्रयास किया। स्पॉट वेरिफिकेशन के दौरान जांच एजेंसी को ऐसे संकेत मिले, जिनसे सबूतों से छेड़छाड़ की आशंका मजबूत हुई है। सीबीआई अब कॉल डिटेल रिकॉर्ड, टावर लोकेशन और डिजिटल एविडेंस का इन्वेस्टिगेशन कर रही है। जांच एजेंसी यह पता लगाने में जुटी है कि घटना की रात किन-किन लोगों से संपर्क किया गया था।

- **ट्विशा का डिजिटल अवतार तैयार किया जा रहा**- सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई ने घर के भीतर ट्विशा के मूवमेंट का डिजिटल ट्रैक तैयार किया है। इसके लिए सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल फोन डेटा, वाई-फाई लॉग, कॉल डिटेल रिकॉर्ड और कमरों की फॉरेंसिक मैपिंग को एक साथ जोड़ा जा रहा है। एजेंसी तीन मंजिला मकान के भीतर ट्विशा की आखिरी लोकेशन, आवाजाही और संपर्कों का क्रम तैयार कर रही है। सीबीआई जांच में ट्विशा का डिजिटल अवतार तैयार किया जा रहा है। इसके जरिए यह समझने की कोशिश होगी कि घटना से पहले वह घर के किस हिस्से में थी, कौन-कौन लोग किन कमरों में आए या बाहर गए और किस समय क्या गतिविधि हुई। जांच एजेंसी कैमरों के टाइमस्टैंप, मोबाइल एक्टिविटी और इंटरनेट उपयोग के समय का मिलान होगा।

बिहार में भारी बारिश, 20 जिलों में दिन में अंधेरा

- बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत, यूपी में तूफान का तांडव

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार में शुक्रवार को आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है। पटना, खगड़िया,रोहतास, औरंगाबाद, कैमूर, छपरा समेत 20 जिलों में सुबह पहले अंधेरा छा गया फिर तेज बारिश हुई। राज्य में बिजली गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई। काले बादलों की वजह से गाड़ियों की लाइट जलाकर

लोग सफर करते देखे गए। मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार में अगले 3 दिनों तक मौसम ऐसा ही बना रहेगा। उधर, मध्य प्रदेश में ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, निवाड़ी, टीकमगढ़ और छतरपुर जिलों में दिन में हीटवेव चलेगी, जबकि शाम को बारिश के साथ ओले गिर सकते हैं। यूपी में गर्मी के बजाय बारिश-आंधी का सिलसिला जारी है। शुक्रवार सुबह लखनऊ, प्रयागराज, झांसी और चंदौली में तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश हुई। 100 किमी की रफ्तार से हवाएं चलीं। हमीरपुर में तूफान के चलते अंडर कंस्ट्रक्शन पुल गिर गया। जिसमें 6 की मौत हो गई। लखनऊ में रेलवे स्टेशन का टिन शेड गिर गया। 2 लोग घायल हुए। राजस्थान में 12 जिलों में बारिश हो सकती है। देश में नौतपा के बीच 10 राज्यों में बारिश हो रही है।

घुसपैठियों ने बताया कैसे बांग्लादेश से भारत में घुसे

- कहा-दलालों को 20 हजार देकर 10 मिनट में पार किया बॉर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार ने अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर निकालना शुरू कर दिया है। इसके चलते, हजारों बांग्लादेशी नागरिक अब सीमावर्ती इलाकों में जमा होने लगे हैं। डिटेंशन सेंटरों में बंद किए जाने के डर से अवैध बांग्लादेशी प्रवासी इस समय पूरे बंगाल में सीमावर्ती क्षेत्रों और ट्रांजिट टर्मिनलों पर इकट्ठा हो रहे हैं। जैसे-जैसे बड़ी संख्या में बांग्लादेशी नागरिक सीमा पर जमा हो रहे हैं, ये प्रवासी अब इस बारे में खुलकर बात करने लगे हैं कि वे अवैध रूप से भारत में कैसे घुसे और उन्होंने पहचान पत्र कैसे हासिल किए।

- **टीएमसी कार्यकर्ताओं के एक नेटवर्क ने वोटर आईडी कार्ड बनवाने में मदद की**- इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, एक व्यक्ति ने खुलासा किया कि जब सुरक्षा बल इलाके में गश्त नहीं कर रहे होते हैं, तो सिर्फ दस मिनट में 20 हजार देकर भारत में घुसना संभव है। इसके अलावा, कुछ लोगों ने दावा किया कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के एक नेटवर्क ने उन्हें पहचान पत्र बनवाने में मदद की। उन्होंने बताया कि वे भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा पाए और यहां तक कि वोट भी डाल पाए।

'साझा दुश्मन' से साथ निपटने की तैयारी

- भारत के बेहद करीब आ रहा है ऑस्ट्रेलिया
- हिंद-प्रशांत क्षेत्र में वैश्विक शांति का है प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया बहुत ही तेजी से भारत के बेहद करीब आ रहा है। गुरुवार को ही ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने अपनी संसद में भारत की जमकर तारीफ की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऑस्ट्रेलिया यात्रा का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब अगले हफ्ते ऑस्ट्रेलिया के उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस भी भारत यात्रा पर आने वाले हैं। तीन दिन पहले ही ऑस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री क्वाड की बैठक के लिए नई दिल्ली आए हुए थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया का इस तरह से कूटनीतिक तौर पर एक-दूसरे के करीब आना खास तौर पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र से जुड़ी जियोपॉलिटिक्स के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जिस तरह से इस इलाके में चीन लगातार अपनी दखलंदाजी बढ़ा रहा है, उसे देखते हुए क्षेत्र की दो महाशक्तियों की इस जुगलबंदी के खास मायने हैं।

संबंधों को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध- ऑस्ट्रेलिया के उपप्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्लेस दूसरे ऑस्ट्रेलिया-भारत रक्षा मंत्री संवाद में हिस्सा लेने के लिए नई दिल्ली आ रहे हैं, जहां उनकी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ चर्चा होगी। इससे पहले वे 23वें शांगरी-ला डायलॉग में शामिल हुए थे, जो कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के लिए एक प्रमुख रक्षा मंच है। अपनी भारत यात्रा से पहले रिचर्ड मार्लेस ने बुधवार को कहा, बिगड़ते रणनीतिक माहौल में शांगरी-ला डायलॉग साझा चुनौतियों का सामना कर रहे पार्टनरों को एक महत्वपूर्ण मंच उपलब्ध कराता है। **ऑस्ट्रेलियाई पीएम हुए हैं भारत के मुरीद**- गुरुवार को ही ऑस्ट्रेलियाई पीएम एंथनी अल्बनीज अपनी संसद में हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए भारत के साथ अपनी साझेदारी की अहमियत को प्रमुखता से अपने मुल्क के सामने रख चुके हैं।

हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के वर्चस्व बढ़ने की चुनौती

भारत और ऑस्ट्रेलिया जिस तरह से साथ आने की जरूरत महसूस कर रहे हैं, उसकी प्रमुख वजह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य दखलंदाजी है। क्वाड समूह का गठन भी इसी वजह से हुआ है, जिसकी विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होकर आस्ट्रेलियाई विदेश मंत्री पेनी वांग इसी हफ्ते अपने देश लौटे हैं। भारत या ऑस्ट्रेलिया में से किसी के लिए भी इस क्षेत्र में किसी एक विस्तारवादी देश (चीन) का वर्चस्व देख पाना संभव नहीं है। दोनों देशों के बीच बढ़ती जुगलबंदी का मतलब यही है कि यह क्षेत्र पहले की तरह वर्चस्व से मुक्त रहे।

होर्मुज में नहीं वसूलेंगे टोल

ईरान से बनाई दूरी

- ट्रंप की धमकी के बाद लाइन पर आया ओमान

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की धमकी के बाद ओमान ने होर्मुज जलडमरूमध्य पर टोल लगाने की ईरान की योजना से किनारा कर लिया है। ओमान ने अमेरिका को भरोसा दिया है कि वह ईरान के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने में शामिल नहीं होगा। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट यह जानकारी दी है। बेंसेट ने बताया कि ओमान के राजदूत से फोन पर बातचीत के दौरान उन्होंने साफ कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर टोल लगाना स्वीकार नहीं किया जाएगा। एक दिन पहले ही राष्ट्रपति ट्रंप ने होर्मुज पर टोल लगाने को लेकर ईरान को उड़ाने की धमकी दी थी। बेसेंट ने आगे कहा कि ओमान ने भरोसा दिलाया है कि वह ऐसे कोई कदम नहीं उठाएगा जिससे लोगों की सुरक्षा खतरे में पड़ जाए।

होर्मुज खुलने के इंतजार में 2000 जहाज

अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट ने बताया कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास तनाव की वजह से लगभग 2,000 जहाज इस समय खाड़ी से बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। ट्रंप के एक टॉप कैबिनेट मेंबर के इस खुलासे से पहली बार अंदाजा लगा है कि इस अहम समुद्री रास्ते पर कितना बड़ा जाम लग चुका है। दुनिया के तेल और लिक्विफाइड नेचुरल गैस का बड़ा हिस्सा आम तौर पर इसी रास्ते से गुजरता है। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए बेसेंट ने कहा कि करीब 2,000 जहाज खाड़ी से बाहर आने का इंतजार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

8636 लीटर विदेशी शराब पकड़ी, ईंट भट्ठे के पास से ट्रक और दो पिकअप जब्त, मामला दर्ज

हाजीपुर। वैशाली में मद्यनिषेध एवं राज्य स्वापक नियंत्रण ब्यूरो बिहार (P&SNCB) और बिदुपुर थाना पुलिस ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 8636.76 लीटर विदेशी शराब जब्त की। यह कार्रवाई मजलिसपुर गांव स्थित एक ईंट भट्ठे के पास की गई। इस दौरान शराब तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे एक ट्रक और दो पिकअप वाहन भी पकड़े गए। P&SNCB को बाहरी राज्य से बिहार में विदेशी शराब के परिवहन की गुप्त सूचना मिली थी। इसी आधार पर बिदुपुर थाना पुलिस के सहयोग से त्वरित अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक वैशाली के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-1 के नेतृत्व और थानाध्यक्ष बिदुपुर की टीम द्वारा की गई। पुलिस को मिली जानकारी के अनुसार, मजलिसपुर गांव स्थित तेजनारायण सिंह के ईंट फैक्ट्री के आसपास अवैध रूप से विदेशी शराब की तस्करी की जा रही थी। मौके पर पहुंची टीम ने एक ट्रक पर लदी भारी मात्रा में विदेशी शराब के साथ-साथ दो पिकअप वाहनों को जब्त किया। हालांकि, इस कार्रवाई में अभी तक किसी तस्कर की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। पुलिस संलिप्त लोगों की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है। बिदुपुर थाना में इस संबंध में एक मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि तस्करों के पूरे नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी है।

शादी के छह महीने बाद नवविवाहिता की अस्पताल में मौत मुजफ्फरपुर में उल्टी की शिकायत पर हुई थी भर्ती

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में आज इलाज के दौरान एक नवविवाहिता की मौत हो गई। घटना के बाद परिजन भड़क उठे और अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा व नारेबाजी की। हंगामे की सूचना पर ब्रह्मपुरा थाना पुलिस पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। मृतका की पहचान मनियारी थाना क्षेत्र के रामपुरकशी नटरौली गांव निवासी राकेश सहनी की 22 साल की पत्नी प्रीति देवी के रूप में हुई है। प्रीति की शादी महज छह महीने पहले ही हुई थी। परिजनों ने बताया कि गुरुवार को प्रीति देवी को उल्टी की शिकायत होने पर इलाज के लिए जूरन छपरा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। मरीज को कोई गंभीर बीमारी नहीं

थी, बावजूद इसके इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि गलत इलाज और लापरवाही के कारण प्रीति की जान गई है। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि मौत के बाद जब उन्होंने अस्पताल कर्मियों से जानकारी लेने की कोशिश की, तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया। आरोप है कि अस्पताल स्टाफ ने परिजनों को धक्का देकर बाहर निकाल दिया। घटना के बाद गुस्साए लोगों ने अस्पताल परिसर में जमकर हंगामा किया। लोगों का आक्रोश बढ़ता देख अस्पताल के कई कर्मी और संचालक मौके से फरार हो गए। इधर, मामले की सूचना पर पहुंचे ब्रह्मपुरा थाना प्रभारी विपिन रंजन ने बताया कि महिला मरीज की मौत की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची है। परिजनों की ओर से इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया गया है। हंगामा कर रहे लोगों को समझाकर स्थिति को शांत कराया गया है। पुलिस परिजनों का बयान दर्ज कर रही है और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। मामले की जांच जारी है।

सुबह-सुबह तेज आधी के साथ झमाझम बारिश, काले बादलों से दिन में छाया अंधेरा

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर में शुक्रवार की सुबह अचानक मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। सुबह करीब 6 बजे तक तेज धूप खिली हुई थी, लेकिन 7:30 बजे के आसपास अचानक आसमान में घने काले बादल छा गए और तेज हवाएं चलने लगीं। कुछ ही देर में स्थिति ऐसी हो गई कि दिन में ही अंधेरे जैसा माहौल बन गया। सड़कों पर चल रहे वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर गुजरना पड़ा। इसके बाद तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश शुरू हो गई, जिससे लोगों को उमस भरी गर्मी से बड़ी राहत मिली। पिछले दो दिनों से जिले में मौसम लगातार करवट बदल रहा है। कभी तेज धूप और गर्मी तो कभी आंधी और हल्की बारिश का दौर जारी है। शुक्रवार सुबह हुई बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई और मौसम सुहावना हो गया। सुबह के समय अचानक बदले मौसम को लेकर लोग भी हैरान दिखे। मौसम विभाग ने पहले ही 27 से 31 मई तक बारिश, तेज हवा और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया था। बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने के कारण उत्तर बिहार के मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कभी आंधी-बारिश तो कभी तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है। पूसा स्थित ग्रामीण मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार अगले दो दिनों तक जिले के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। केंद्र के नोडल पदाधिकारी डॉ. ए. सत्तार ने बताया कि जिले के उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों समेत कई इलाकों में बारिश के आसार बने हुए हैं। साथ ही 25 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार से पुरवा हवा चल सकती है। बीते 24 घंटे में अधिकतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि न्यूनतम तापमान में सुधार हुआ है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 32.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.7 डिग्री कम रहा। इस दौरान करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पुरवा हवा चलने के कारण वातावरण में नमी बनी रही। हालांकि वाष्पीकरण की दर घटने से उमस में कुछ कमी महसूस की गई। मौसम विभाग ने खराब मौसम के दौरान लोगों से सतर्क रहने और तेज हवा व बारिश के समय सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की है।

मुजफ्फरपुर में 2 बच्चियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा, पुलिस ने डूबने से मौत बताया था

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के रामपुरहरि में 13 मई को दो चचेरी बहनों की लाश मिली थी। पुलिस ने कहा था कि, मौत डूबने से हुई है। दोनों बच्चियों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट अब आ गई है। रिपोर्ट में लिखा गया है कि, 'छाती, चेहरे पर खरोंच, पसलियां, लीवर और फेफड़े फटे हुए थे। छाती के अंदर खून के थक्के भी मिले थे। प्राइवेट पार्ट पर भी खून जमा मिला। बच्चियों के शरीर की स्कीन काली पड़ चुकी थी। गर्दन के कुछ हिस्से पर मांस का ऊपरी हिस्सा हड्डियों समेत गायब था। दोनों बच्चियों की हत्या किसी भारी ऑब्जेक्ट से हमला कर निर्मम तरीके से की गई थी।' दरअसल, रामपुरहरि थाना क्षेत्र से 11 मई को दो चचेरी बहनें, जिनकी उम्र 12 और 7 वर्ष थी, अचानक लापता हो गई थीं। इसके दो दिन बाद 13 मई को दोनों के शव घर से करीब 200 मीटर दूर एक चिमनी के पानी भरे गड्ढे के पास बरामद किए गए थे। मौके पर एसएसपी, ग्रामीण एसपी सहित कई अधिकारी पहुंचे थे। एफएसएल टीम और डॉग स्क्वॉड ने भी जांच की थी। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए एसकेएमसीएच भेजा था, जिसकी रिपोर्ट गुरुवार की रात सामने आई है। मुजफ्फरपुर के श्री कृष्णा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (SKMCH) के फॉरेंसिक मेडिसिन एंड टॉक्सिकोलॉजी विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, दोनों बच्चियों के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए। डॉक्टरों ने पोस्टमॉर्टम से पहले शवों से कीचड़ को साफ किया। 7 साल बच्ची के हाथ के ऊपरी हिस्से पर मौत से पहले चोट के निशान मिले। वहीं दोनों बहनों की छाती, चेहरे की मांसपेशियां, पसलियां, लीवर और फेफड़े क्षतिग्रस्त पाए गए। छाती के अंदर खून के थक्के भी मिले। 12 साल की किशोरी के पोस्टमॉर्टम के दौरान डॉक्टरों को उसके नाजुक अंग में खून जमा मिला। रिपोर्ट में इस बात की भी जिक्र है कि, स्कीन काली पड़ चुकी थी और गर्दन की मांसपेशियों का ऊपरी हिस्सा हड्डियों के टुकड़ों समेत गायब था। पैर के कुछ हिस्सों को जानवरों की ओर से नोचने के भी संकेत मिले हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में डॉक्टरों की ओर से स्पष्ट तौर पर कहा है कि दोनों बच्चियों की हत्या किसी भारी ऑब्जेक्ट से वार कर की गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, अपहरण वाली रात ही दोनों मासूमों की हत्या कर दी गई थी।

तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश, गर्मी से मिली राहत

एजेंसी, पटना

- तेज आंधी से हज भवन, छज्जुबाग समेत कई इलाकों में गिरे पेड़, दिन में छाया अंधेरा

पटना में मौसम का मिजाज बदल गया है। शुक्रवार सुबह से ही तेज आंधी के साथ झमाझम बारिश हो रही है। जिससे कई दिनों से उमस भरी गर्मी से परेशान लोगों को राहत मिली है। जिले के विक्रम, दानापुर, बिहटा, फुलवारीशरीफ समेत कई इलाकों में बारिश हुई है। सुबह से ही आसमान में काले बादल छाए हैं। आमतौर पर जिस समय तेज धूप और गर्मी महसूस होती थी, उस समय शहर में अंधेरा छा गया। तेज आंधी के चलते राजधानी में VVIP इलाके सीएम हाउस, लोक सेवक आवास, हज भवन, छज्जुबाग समेत कई जगहों पर पेड़ गिर गए। नगर आयुक्त यशपाल मीणा खुद मौके पर मौजूद हैं। पेड़ को जेसीबी की मदद से हटाया जा रहा है। जलजमाव से निपटने के लिए नगर निगम की टीम एक्टिव मोड में हैं।

पटना के लिए रेड अलर्ट जारी: मौसम विभाग ने राजधानी पटना में अगले तीन घंटे के लिए भारी बारिश, तेज आंधी और वज्रपात को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार शहर में तेज हवा के साथ लगातार बारिश हो सकती है। लोगों को खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने और जरूरत नहीं होने पर घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है।

पिछले कई दिनों से पटना में भीषण गर्मी और उमस का दौर जारी था। तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया था। गर्मी को देखते हुए जिला प्रशासन ने 29 मई से 2 जून तक क्लास वन से फाइव तक के सभी स्कूलों को बंद रखने का निर्देश दिया था। वहीं, क्लास 6 और उससे ऊपर की कक्षाओं के लिए स्कूलों का संचालन सुबह 10:30 बजे तक ही करने का आदेश जारी किया गया है।

कई इलाकों में जलजमाव: लगातार हो रही बारिश के कारण पटना के कई निचले इलाकों में हल्का जल जमाव भी देखने को मिला है। कुछ सड़कों पर पानी भरने से लोगों को आवाजाही में परेशानी हुई। हालांकि बारिश के बावजूद लोगों के चेहरे पर राहत साफ दिखाई दी, क्योंकि लंबे समय बाद राजधानी को तपती गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग के अनुसार पटना में पूरे दिन इसी तरह का मौसम बना रह सकता है। अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश और बादलों की आवाजाही जारी रहने की संभावना है। इससे तापमान में गिरावट बनी रहेगी और लोगों को गर्मी से राहत मिलती रहेगी।

कैपिटल एक्सप्रेस में यात्री की मौत, रात भर परिजन रहे परेशान

एजेंसी, पटना

कैपिटल एक्सप्रेस(13247) में एक यात्री की मौत हो गई है। मृतक की पहचान उतर प्रदेश के चंदौली निवासी सुरेश कुमार राय(48) के तौर पर हुई है। गुवाहाटी में एनम इलेक्ट्रिक में सब मैनेजर के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार की सुबह परिजनों की मौजूदगी में पटना PMCH में शव का पोस्टमार्टम कराया गया।

संपर्क नहीं होने पर रेलवे में शिकायत की गई: पत्नी रीना राय ने बताया कि बुधवार को गुवाहाटी से 15 दिनों के लिए छुट्टी पर घर के लिए चले थे। शाम 6 बजे तक बहुत अच्छे से बातचीत हुई। इसके बाद लगातार कॉल करते रहे, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया। पूरी रात परेशान रहे। कैपिटल एक्सप्रेस के S2 कोच में उनकी सीट थी। जब काफी कोशिश के बाद भी संपर्क नहीं हो पाया तो हमलोगों ने रेलवे में इसकी शिकायत की।

गुरुवार की सुबह PNR नंबर के जरिए उस कोच में मौजूद टीटीई से संपर्क कराया गया। उनको मैंने बताया कि काफी कोशिश के बाद फोन नहीं उठ रहा है। S2 में 7 नंबर सीट है। जाकर देखिए और बात कराइए। कुछ देर बाद जानकारी मिली कि सीट पर बेहोशी की हालत में पड़े हैं। हालत ठीक नहीं है। हमलोगों को पटना जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर 1 पर GRP थाने में आने के लिए बोला गया।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा क्लियर: परिजनों के मुताबिक रमेश राय बिल्कुल पहले से स्वस्थ थे। कोई बीमारी नहीं थी। बातचीत के दौरान भी वैसा कुछ नहीं बताया था। इधर, रेलवे पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल मामले की छानबीन की जा रही है।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से दो बच्चियों की गई जान

एजेंसी, पटना

पटना के परसा बाजार इलाके में शुक्रवार सुबह आकाशीय बिजली गिरने से दो बच्चियों की मौत हो गई। दोनों बच्चियां बकरी चराने के लिए खेत की ओर गई थी। इस दौरान हादसे की शिकार हो गई। मृतका की पहचान गोपाली पासवान की बेटी सिमरन कुमारी(12) और रिपु पासवान की बेटी स्वीटी कुमारी(10) के तौर पर हुई है। घटना सकरैचा गांव की है। भाकपा माले के फुलवारी शरीफ प्रखंड सचिव गुरुदेव दास ने बताया कि दोनों बच्चियां गांव के पास खेत में बकरी चरा रही थी। इसी दौरान अचानक मौसम खराब हो गया। तेज गर्जना के साथ बारिश होने लगी। इस दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

सरकार से मुआवजे की मांग: प्रखंड सचिव गुरुदेव रविदास ने जिला प्रशासन से मृतक परिवारों को आपदा राहत योजना के तहत उचित मुआवजा और हर संभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए पटना पीएमसीएच भेजा गया है। परसा बाजार थाना प्रभारी मेनका रानी ने बताया कि सूचना मिलने के बाद पुलिस पदाधिकारी को मौके पर भेजा गया है। सूचना अंचलाधिकारी को दे दी गई है। आपदा के तहत सरकार से मिलने वाली सहायता राशि के लिए अंचलाधिकारी से आग्रह किया गया है।

बाढ़ नाव हादसा, अब तक 5 शव बरामद, 2 लापता टुनटुन ने जान पर खेलकर पांच लोगों की जान बचाई

एजेंसी, पटना

- बहनोई को बचाने में पत्नी का हाथ छूटा

पटना जिले के बाढ़ में गुरुवार को उमानाथ मंदिर के सामने गंगा नदी में नाव पलटने से 5 लोगों की मौत हो गई। जबकि 2 लोग अभी भी लापता है। एनडीआरएफ की टीम खोजबीन में जुटी है। लीला देवी (30), श्रवण महतो (36), काशी कुमार (14), कंचन उर्फ कबूतरी (16), नीलम देवी (40) का शव बरामद हो चुका है। राहुल कुमार और ममता देवी अभी भी लापता है। इस हादसे में नाव सवार टुनटुन की पत्नी की मौत हो गई, लेकिन उसने अपनी जान की बाजी लगाकर 5 लोगों की जान बचाई। टुनटुन ने बताया कि जब नाव तेज धार में फंसी थी, तब वे लगातार नाव से पानी बाहर फेंक रहे थे। अचानक तेज हवा से पलट गई। उसमें सवार सभी चौदह लोग गंगा की तेज धारा में बहने लगे।

आंखों के सामने पत्नी डूब गई, बचा नहीं सका: मेरी पत्नी भी बहने लगी। उसने मदद के लिए पुकारा। उस समय मैं अपने बहनोई को बचाने में लगा था। बहनोई को तो बचा लिया, लेकिन पत्नी को नहीं बचा सका। मेरे आंखों के सामने डूब गई। दो मिनट की यह दूरी हमेशा की दूरी में बदल गई। इसके बाद भी उसने हिम्मत नहीं हारी। पानी में डूब रहे दूसरे लोगों को बचाया। बेटे की शादी पिछले महीने 6 अप्रैल को हुई थी। पत्नी श्रृंगार की दुकान चलाती थी। खेती में भी हाथ बंटाती थी।

मामला बिगड़ने पर नाविक भाग गया: टुनटुन ने हादसे के लिए नाविक को जिम्मेवार ठहराया है। उन्होंने बताया कि वह बार-बार उसे रास्ता बदलने के लिए कह रहा था, लेकिन उसने बात नहीं मानी। एक बार तेज लहर आने पर नाव संभल गई, लेकिन दूसरी लहर में वह पलट गई। बड़े भाई ने भी अपने परिवार के चार सदस्यों को बचाया, जबकि नाविक लोगों को डूबता देख भाग निकला।

सरकार की ओर से 4-4 लाख की मदद: अंचलाधिकारी नरेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि जितने भी शव मिले हैं सभी के परिजनों को चार-चार लाख रुपया अनुग्रह राशि का चेक दे दिया गया है। बाकी शव मिलने पर उन लोगों को भी अनुग्रह राशि दी जाएगी।

जन सुराज प्रतिनिधिमंडल डीजीपी से मिला, पटना के होटल वाली घटना में एसआईटी जांच की मांग की

छात्रा छेड़खानी मामला

एजेंसी, पटना

- होटल सुरक्षा ऑडिट करने भी कहा

पटना के एक होटल में छात्रा से कथित छेड़खानी को लेकर शुक्रवार को जन सुराज पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने बिहार के डीजीपी से मुलाकात की। उन्होंने दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई की मांग की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व जन सुराज के वरिष्ठ नेता और पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना तथा प्रदेश उपाध्यक्ष ललन यादव ने किया।

मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी के समक्ष पांच प्रमुख मांगें रखीं। इनमें मामले की निष्पक्ष जांच के लिए एसआईटी का गठन, होटल प्रबंधन की भूमिका की जांच, पीड़ित परिवार को सुरक्षा और राज्यव्यापी होटल सुरक्षा ऑडिट शामिल हैं। जन सुराज नेताओं ने कहा कि यह केवल एक छात्रा का मामला नहीं, बल्कि बिहार में महिलाओं और छात्राओं की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर प्रश्न है।

डीजीपी ने मामले की निगरानी का दिया आश्वासन: डीजीपी से मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए किशोर कुमार मुन्ना ने बताया कि डीजीपी ने मामले की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस जल्द साक्ष्य एकत्र कर आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में मजबूत केस पेश करेगी। मुन्ना के अनुसार, पीड़ित परिवार भी डीजीपी के आश्वासन से संतुष्ट है। मुन्ना ने आरोप लगाया कि होटल मालिक पीड़ित परिवार को डराने और मामले को दबाने की कोशिश कर रहा है। इस संबंध में भी डीजीपी से तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। जन सुराज नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो पार्टी सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी।

घटना की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच की मांग: प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांगों में कहा कि घटना की निष्पक्ष और समयबद्ध जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया जाए। साथ ही, घटना में शामिल सभी आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा, होटल हिडेन विला के मालिक, प्रबंधक और कर्मचारियों की भूमिका की भी गहन जांच होनी चाहिए। इसका उद्देश्य यह स्पष्ट करना है कि आरोपी देर रात कमरे तक कैसे पहुंचा और सुरक्षा व्यवस्था में इतनी बड़ी चूक कैसे हुई। जन सुराज ने यह भी मांग की कि यदि जांच में होटल परिसर में किसी प्रकार की अवैध या अनैतिक गतिविधियों के संचालन की पुष्टि होती है तो होटल के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए और उसका लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की जाए।

दानापुर में 3 युवक गिरफ्तार, देसी कट्टा बरामद

एजेंसी, पटना

- ई-रिक्शा से 55 लीटर विदेशी शराब जब्त, पूछताछ के बाद तीनों को भेजा जेल

दानापुर पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने एक को हथियार के साथ, जबकि दो 54.9 लीटर विदेशी शराब के साथ पकड़ा है। एएसपी शिवम धाकड़ ने इसकी पुष्टि की है।हली कार्रवाई नासरीगंज थाना क्षेत्र में की गई है। एएसपी ने बताया कि गुरुवार देर शाम डीआईयू टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि नासरीगंज कुशवाहा पंचायत बिल्डिंग के पीछे एक युवक हथियार के साथ मौजूद है। टीम ने मौके पर पहुंचकर तलाशी ली। उसके पास से एक कट्टा मिला। पूछताछ में युवक ने बताया कि वह नशे का सेवन करता है। धौंस जमाने तथा छोटी-मोटी आपराधिक घटनाओं के लिए हथियार रखता था।

ई-रिक्शा से शराब बरामद: दूसरे मामले में, पुलिस ने चौधराना रोड से एक ई-रिक्शा से अवैध विदेशी शराब के साथ दो तस्कर मनीष कुमार और मोनू कुमार को गिरफ्तार किया। 305 टेट्रा पैक(54.9 लीटर) अवैध विदेशी शराब बरामद की गई। ई-रिक्शा को भी जब्त कर लिया गया है। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई है। गिरफ्तार सभी युवकों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

पटना साहिब में 2 घंटे तक रुकी रही वंदे भारत

एजेंसी, पटना

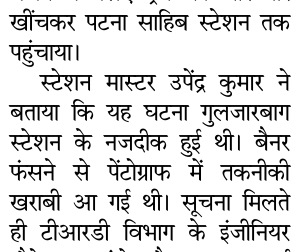

पटना में शुक्रवार सुबह तेज आंधी-बारिश के कारण हावड़ा जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस(22348) पटना साहिब स्टेशन पर करीब दो घंटे तक खड़ी रही। ट्रेन के पावर सप्लाई सिस्टम में एक बैनर फंसने से तकनीकी खराबी आ गई थी, जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

आंधी के चलते फंसा बैनर: पटना से कोलकाता जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस गुलजारबाग इलाके के पास पहुंची थी, तभी तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। आंधी के कारण एक बड़ा बैनर और कपड़ा उड़कर ट्रेन के पेंटोग्राफ और बिजली सप्लाई लाइन में फंस गया। जिसके बाद ट्रेन के ऊपर से चिंगारी निकलने लगी। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए लोको पायलट ने सूझबूझ का परिचय दिया। किसी बड़े हादसे से बचने के लिए ट्रेन को धीरे-धीरे खींचकर पटना साहिब स्टेशन तक पहुंचाया।

स्टेशन मास्टर उपेंद्र कुमार ने बताया कि यह घटना गुलजारबाग स्टेशन के नजदीक हुई थी। बैनर फंसने से पेंटोग्राफ में तकनीकी खराबी आ गई थी। सूचना मिलते ही टीआरडी विभाग के इंजीनियर मौके पर पहुंचे और मरम्मत कार्य किया। ट्रेन सुबह करीब 8:15 बजे से 10:15 बजे तक पटना साहिब स्टेशन पर रुकी रही। रेलवे के तकनीकी इंजीनियरों की टीम ने फंसे हुए बैनर और कपड़े को हटाया।

कला प्रेमियों और विभाग के बीच बनेगा सीधा संवाद

एजेंसी, पटना

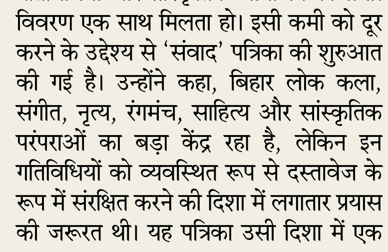

- कला संवाद पत्रिका का लोकार्पण, बिहार की कला, संस्कृति-परंपराओं की झलक दिखेगी

बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग द्वारा राज्य की सांस्कृतिक विरासत, कला गतिविधियों और विभागीय कार्यक्रमों को एक मंच पर लाने की दिशा में एक नई पहल की गई है। आज विकास भवन में स्थित कला संस्कृति विभाग में विभागीय पत्रिका 'संवाद' का औपचारिक लोकार्पण किया गया। इस मौके पर विभाग के मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने पत्रिका का विमोचन करते हुए इसे कला और संस्कृति के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक शुरुआत बताया।

मंत्री ने कहा, यह पत्रिका हर तीन महीने पर प्रकाशित होगी। इसमें विभाग से जुड़ी सभी गतिविधियों, सांस्कृतिक आयोजनों, कला कार्यक्रमों, कलाकारों की उपलब्धियों और विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रकाशित की जाएगी। विभाग का उद्देश्य है कि बिहार की सांस्कृतिक धरोहर और कला परंपराओं को व्यवस्थित तरीके से दस्तावेज के रूप में संरक्षित किया जाए।

कला-संस्कृति से जुड़ी प्रमाणिक जानकारी का बनेगा दस्तावेज: कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा, अब तक बिहार की कला और संस्कृति से संबंधित कोई ऐसा प्रमाणिक और नियमित साहित्य उपलब्ध नहीं था, जिसमें विभाग की गतिविधियों और सांस्कृतिक आयोजन का समग्र विवरण एक साथ मिलता हो। इसी कमी को दूर करने के उद्देश्य से 'संवाद' पत्रिका की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा, बिहार लोक कला, संगीत, नृत्य, रंगमंच, साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं का बड़ा केंद्र रहा है, लेकिन इन गतिविधियों को व्यवस्थित रूप से दस्तावेज के रूप में संरक्षित करने की दिशा में लगातार प्रयास की जरूरत थी। यह पत्रिका उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में यह पत्रिका शोधकर्ताओं, विद्यार्थियों, कलाकारों और कला प्रेमियों के लिए एक महत्वपूर्ण संदर्भ सामग्री के रूप में काम करेगी।

विभाग और कला प्रेमियों के बीच बनेगा संवाद का सेतु: मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार ने कहा कि 'संवाद' केवल एक विभागीय पत्रिका नहीं है, बल्कि यह विभाग और समाज के बीच एक सकारात्मक संवाद स्थापित करने का माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा, अक्सर लोगों को विभाग की गतिविधियों और योजनाओं की जानकारी नहीं मिल पाती, लेकिन इस पत्रिका के माध्यम से कला और संस्कृति से जुड़े कार्यक्रम सीधे लोगों तक पहुंचेंगे। आने वाले समय में 'संवाद' पत्रिका व्यापक रूप से लोकप्रिय होगी और लोग इसे पढ़कर बिहार की कला एवं संस्कृति की विविधता और समृद्ध परंपराओं को और करीब से जान सकेंगे।

संक्षिप्त समाचार

हथियार के बल पर लूट करने वाले गिरोह का भंडाफोड़, पांच अपराधी गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण पुलिस ने हथियार के बल पर राहगीरों से मोबाइल और रुपये लूटने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और 10 मोबाइल बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 28 मई 2026 को सूचना मिली थी कि ग्राम भागयनगर में तीन युवक हथियार के बल पर एक राहगीर से मोबाइल छीनने का प्रयास कर रहे हैं। ग्रामीणों ने एक आरोपी को पकड़ लिया था। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नितिश कुमार के रूप में हुई। पूछताछ में उसने बताया कि वह अपने साथियों के साथ सुनसान जगहों पर राहगीरों को हथियार का भय दिखाकर मोबाइल और पैसे लूटता था। इसके अलावा हाट, मेला और बाजारों में झपट्टा मारकर मोबाइल चोरी की घटनाओं को भी अंजाम देता था। नितिश कुमार की निशानदेही पर उसके घर से घटना में प्रयुक्त एक देशी पिस्टल, दो जिंदा कारतूस और एक छीना गया मोबाइल बरामद किया गया। इसके बाद पुलिस ने गिरोह के अन्य सदस्यों को गिरफ्तार कर कुल 10 मोबाइल बरामद किए। गिरफ्तार अन्य आरोपियों में तनवीर आलम, आकाश कुमार, राहुल कुमार तथा मुकेश ठाकुर शामिल हैं। इस मामले में कल्याणपुर थाना कांड संख्या 238/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार, पर्यवेक्षी पदाधिकारी खालिद अख्तर, थानाध्यक्ष विनीत कुमार, अपर थानाध्यक्ष मुकेश कुमार सहित पुलिस बल एवं एसटीएफ मोतिहारी की टीम शामिल थी।

मझौलिया में गौकशी मामले का खुलासा, चार गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया। बेतिया पुलिस ने मझौलिया थाना क्षेत्र में गौकशी और मांस बिक्री के मामले का खुलासा करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से गौ मांस के टुकड़े बरामद किए हैं। पुलिस प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 28/29 मई की देर रात मझौलिया थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि थाना क्षेत्र के खैरवा वार्ड संख्या-1 स्थित महोदीपुर में फैयाज आलम अंसारी के बथान पर गौकशी कर मांस की बिक्री और परिवहन किया जा रहा है। सूचना के सत्यापन और कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम में अंचलाधिकारी, पशु चिकित्सक और एफएसएल टीम को भी शामिल किया गया। छापेमारी के दौरान फैयाज आलम अंसारी के बथान के पास काले रंग की गाय के मांस के विभिन्न टुकड़े बरामद किए गए। बरामद मांस को एफएसएल एवं पशु चिकित्सक की मौजूदगी में विधिवत जब्त किया गया। मौके से पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में मोहम्मद मेराज आलम, नसीमा खातुन, मोबारक अंसारी तथा फैयाज आलम अंसारी शामिल हैं। इस मामले में मझौलिया थाना कांड संख्या 475/26 दर्ज करते हुए भारतीय न्याय संहिता और पशु क्रूरता अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है। छापेमारी दल में थानाध्यक्ष अमर कुमार, अपर थानाध्यक्ष धर्मेन्द्र कुमार, अंचलाधिकारी राजीव रंजन, पशु चिकित्सक डॉ. रजनीश कुमार सहित पुलिस बल और एफएसएल टीम शामिल थी।

लीची तोड़ने के दौरान पेड़ से गिरकर बच्चे की मौत, एक घायल

परिजनों में मचा कोहराम, शव पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजा गया

बीएनएम @ हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के कृतपुर मठिया गांव के वार्ड संख्या 7 में शुक्रवार को लीची तोड़ने के दौरान पेड़ से गिरकर एक बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरा बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान पड़ोसी पहाड़पुर थाना क्षेत्र निवासी बिकाऊ मुखिया के पुत्र राहुल कुमार के रूप में हुई है। बताया जाता है कि राहुल अपने एक साथी के साथ कृतपुर मठिया गांव में एक लीची के पेड़ पर चढ़कर फल तोड़ रहा था। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से दोनों बच्चे अचानक पेड़ से नीचे गिर पड़े। घटना में राहुल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई, जबकि दूसरा बच्चा घायल हो गया। उसका स्थानीय चिकित्सकों द्वारा इलाज किया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही हरसिद्धि थाना पुलिस मौके पर पहुंची। अपर थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह के निर्देश पर दरोगा नीलम कुमारी ने दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, मोतिहारी भेज दिया। अपर थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने बताया कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

जनगणना- 2027 का कार्य अंतिम चरण में, 31 मई तक हर हाल में पूरा होगा : डीएम

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। भारत की जनगणना- 2027 को लेकर शहर के समाहरणालय परिसर स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। उक्त बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी सह प्रधान जनगणना पदाधिकारी सौरभ जोरवाल ने की। उन्होंने कहा कि रियल टाइम ऐप के माध्यम से डिजिटल फॉर्म में जनगणना कार्य संपन्न कराने हेतु प्रशासन पूरी तरह कटिबद्ध है। जिलाधिकारी ने बताया कि विगत 2 मई 2026 से प्रारंभ जनगणना कार्य को आगामी 31 मई 2026 तक निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इसके लिए जिले में कुल 37 चार्ज कार्यरत हैं, जिनमें 10 शहरी एवं 27 ग्रामीण चार्ज शामिल हैं। जनगणना कार्य में 9591 गणना ब्लॉक, 9511 प्रगणक तथा 1621 पर्यवेक्षक सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। बैठक में जानकारी दी गई कि भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान गणना सह मकान सूचीकरण का कार्य तेजी से प्रगति पर है। जिलाधिकारी ने सभी चार्ज पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्र के सभी मकानों की गणना एवं सूचीकरण का कार्य सावधानीपूर्वक और समय पर पूरा कराएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी परिस्थिति में कोई मकान छूटना नहीं चाहिए तथा सभी अधिकारी पूरी गंभीरता से कार्य करें। वहीं जिला नोडल पदाधिकारी (जनगणना कोषांग) सह जिला सांख्यिकी पदाधिकारी अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में जनगणना- 2027 के कार्यों को पारदर्शी तरीके से लगभग पूरा कर लिया गया है और निर्धारित समय सीमा 31 मई 2026 तक इसे पूर्ण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस कार्य में निदेशालय की गाइडलाइन का अक्षरशः पालन किया जा रहा है। बैठक में राज्य नोडल पदाधिकारी आदित्य कुमार, हेमंत कुमार, रामध्यान सिंह, द्वय राज्य पर्यवेक्षक-जनगणना, पूर्वी चम्पारण, प्रबंधन कोषांग से गोपाल मिश्र, अमरेश कुमार, कमलेश कुमार सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

शराब कांड के दो फरार अभियुक्त गिरफ्तार

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। बीजधरी थाना पुलिस ने शराब कांड में फरार चल रहे दो प्राथमिकी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए अदालत भेज दिया है। पुलिस के अनुसार बीजधरी थाना कांड संख्या 57/26, दिनांक 17 अप्रैल 2026 में दर्ज मामले में फरार अभियुक्त सनोज पासवान को गिरफ्तार किया गया। वह केसरिया थाना क्षेत्र के ढेकहा गांव निवासी ललन पासवान का पुत्र बताया गया है। उक्त मामला भारतीय न्याय संहिता की धारा 274/275 एवं बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2022 की धारा 30(अ) से संबंधित है। वहीं बीजधरी थाना कांड संख्या 62/26, दिनांक 8 मई 2026 में दर्ज शराब कांड के फरार अभियुक्त भोला राय को भी गिरफ्तार किया गया। वह बीजधरी थाना क्षेत्र निवासी रामबाबू राय का पुत्र है। पुलिस ने बताया कि दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर अग्रिम कार्रवाई हेतु न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

ट्रैक्टर से कुचलकर महिला की हत्या मामले में चार मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ शिवहर

शिवहर। हिरम्मा थाना क्षेत्र के माधोपुर छाता गांव में आपसी विवाद के दौरान महिला को ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या किए जाने के मामले में शिवहर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के बाद इलाके में तनावपूर्ण स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार 23 मई को माधोपुर छाता गांव में दो पक्षों के बीच मारपीट हुई थी, जो अचानक हिंसक रूप ले बैठी। आरोप है कि इसी दौरान एक पक्ष के लोगों ने रामकली देवी उर्फ राजकली देवी पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। घटना में वह गंभीर रूप से घायल हो गईं। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें सदर अस्पताल, शिवहर ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल उत्पन्न हो गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए हिरम्मा थाना में कांड संख्या 20/2026 दर्ज करते हुए बीएनएस 2023 की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अनुशील कुमार के नेतृत्व में विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया गया। टीम में हिरम्मा थानाध्यक्ष एवं डीआईयू के अधिकारियों को शामिल किया गया। वैज्ञानिक एवं मानवीय साक्ष्यों के आधार पर की गई जांच के बाद पुलिस ने हत्या में सीधे संलिप्त चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में माधोपुर छाता निवासी होरिल कुमार, वंशलाल राय, किशोर राय एवं प्रमीला देवी शामिल हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है तथा घटना में शामिल अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। गांव में एहतियातन पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन ने लोगों से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की है।

मिठाई की दुकान की आड़ में चल रहा था शराब का कारोबार, दो गिरफ्तार

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। जिले में शराब कारोबारी अब शराब बेचने के लिए नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं। चाय, पान, नाश्ता, मिठाई की दुकान, गुमटी, फूस की झोपड़ी, ढाबा और ग्रामीण इलाकों में सड़क किनारे पंचर, डीजल-पेट्रोल की दुकानों की आड़ में खुलेआम शराब की बिक्री किए जाने की चर्चा है। वहीं पुलिस की गश्ती और डायल 112 की टीम पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसी बीच कुमारबाग थाना क्षेत्र के तिरहुतिया टोला चौक स्थित एक मिठाई दुकान पर पुलिस ने छापेमारी कर अवैध शराब कारोबार का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान दुकान से 29 पीस टेट्रा पैक 8 पीएम शराब बरामद की गई। मौके से पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महुआ निवासी 30 वर्षीय अमर साह तथा 52 वर्षीय छबीला शाह के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों आरोपी आगे मिठाई की दुकान चलाते थे, जबकि पीछे शराब का गोदाम बनाकर अवैध कारोबार संचालित करते थे। कुमारबाग थानाध्यक्ष पंकज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की। तलाशी के दौरान दुकान से अवैध शराब बरामद होने के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद इलाके में अवैध शराब कारोबारियों के बीच हड़कंप मच गया है।

779वें उर्स पर मेहसी में पांच दिवसीय सद्भावना मेला शुरू, देश-विदेश से जुट रहे अकीदतमंद

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के मेहसी स्थित विश्व प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा अब्दुल हलीम शाह चिश्ती के 779वें उर्स के अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय सद्भावना मेला 26 जून से आरंभ हो गया है। यह मेला 30 जून तक चलेगा। मेले को लेकर स्थानीय प्रशासन एवं आयोजन समिति द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। गद्दीनशीन सैयद शमीम अहमद चिश्ती ने बताया कि यह आयोजन सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है, जिसे प्रत्येक वर्ष बकरीद के अवसर पर जुलहिज्जा माह की 8वीं से 12वीं तारीख तक आयोजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष लगभग चार लाख श्रद्धालुओं ने मेले में शिरकत की थी और इस वर्ष भी बड़ी संख्या में देश-विदेश से अकीदतमंदों के पहुंचने की संभावना है। हालांकि, अत्यधिक गर्मी के कारण भीड़ पर आंशिक असर पड़ सकता है।

प्रशासन अलर्ट, सुरक्षा के व्यापक इंतजामः-मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए स्थानीय प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रशासन द्वारा मेले परिसर में निगरानी व्यवस्था भी सुदृढ़ की गई है।

ऐतिहासिक आस्था और लोक मान्यताओं से जुड़ा है स्थलः-स्थानीय बुजुर्गों के अनुसार, इस दरगाह और क्षेत्र का इतिहास 1200–1300 ईस्वी कालखंड से जुड़ा माना जाता है। मान्यता है कि गंडक नदी किनारे सूफी संत का काफिला यहां रुका था, जिसके बाद यह स्थान आध्यात्मिक आस्था का केंद्र बन गया। लोक कथाओं में संत की करामातों का भी उल्लेख मिलता है। कहा जाता है कि संत ने एक अवसर पर गाय से दूध निकालकर लोगों को चमत्कृत किया था। वहीं, क्षेत्र के नामकरण को लेकर यह भी मान्यता है कि ग्वाले महेश रावत के नाम पर "मेहसी" नाम पड़ा।

सांप्रदायिक सौहार्द का प्रतीक बना सद्भावना मेलाः-यह सद्भावना मेला वर्षों से हिंदू, मुस्लिम, सिख एवं ईसाई समुदायों के बीच भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है। आयोजन समिति के अनुसार, यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं बल्कि सांस्कृतिक समन्वय और सामाजिक सौहार्द का जीवंत उदाहरण है।

ऐतिहासिक ग्रंथों में भी मिलता है उल्लेखः-स्थानीय लोगों का दावा है कि मेहसी एवं सूफी संत ख्वाजा अब्दुल हलीम शाह चिश्ती की मजार का उल्लेख ऐतिहासिक ग्रंथ आइना-ए-अकबरी सहित अन्य स्त्रोतों में भी मिलता है।

निगरानी ब्यूरो की बड़ी कार्रवाई, 6 हजार रुपये रिश्वत लेते परिवहन कार्यालय का लिपिक और दलाल गिरफ्तार

बीएनएम @ बेगूसराय

बेगूसराय। भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए निगरानी अन्वेषण ब्यूरो, बिहार की टीम ने बेगूसराय जिला परिवहन कार्यालय में रिश्वतखोरी का खुलासा किया है। कार्रवाई के दौरान जिला परिवहन कार्यालय के लिपिक संजय कुमार एवं दलाल शिवानंद झा को 6 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। निगरानी थाना कांड संख्या 06/26, दिनांक 27 मई 2026 में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों में संजय कुमार तथा शिवानंद झा शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार परिवादी सत्यम कुमार ने निगरानी अन्वेषण ब्यूरो से शिकायत की थी कि वाहन हस्तांतरण कराने के एवज में रिश्वत की मांग की जा रही है। शिकायत के सत्यापन के दौरान रिश्वत मांगने की पुष्टि होने के बाद निगरानी टीम ने धावा दल का गठन किया। पुलिस उपाधीक्षक रंजीत कुमार निराला के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान दलाल शिवानंद झा को व्यवहार न्यायालय, बेगूसराय के दक्षिणी गेट के समीप रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया, जबकि लिपिक संजय कुमार को जिला परिवहन कार्यालय स्थित उनके कार्यालय कक्ष से पकड़ा गया। निगरानी ब्यूरो ने बताया कि दोनों आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें निगरानी के विशेष न्यायालय, भागलपुर में प्रस्तुत किया जाएगा। मामले में आगे की जांच जारी है।

30 मई को नगर निकायों में सशक्त स्थायी समिति का निर्वाचन

» नामांकन से शपथ ग्रहण तक की प्रक्रिया एक ही दिन में होगी पूरी

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले के सभी नगर निकायों में 30 मई 2026 को सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों का निर्वाचन कराया जाएगा। निर्वाचन को शांतिपूर्ण एवं सफल बनाने को लेकर शुक्रवार को जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी निर्वाची पदाधिकारी, सहायक निर्वाची पदाधिकारी, दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। जिला प्रशासन के अनुसार, प्रधान सचिव, नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार के निर्देश पर राज्य के सभी नगर निकायों में सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों का निर्वाचन कराया जाना है। इसी क्रम में पश्चिम चम्पारण जिले के बेतिया नगर निगम, नरकटियागंज, बगहा, रामनगर नगर परिषद तथा चनपटिया, लौरिया एवं मच्छरगांवा नगर पंचायतों में निर्वाचन की तिथि निर्धारित की गई है। निर्वाचन प्रक्रिया के तहत प्रत्येक रिक्ति के लिए अलग-अलग मतपेटिका का उपयोग किया जाएगा। नगर निगम बेतिया में सात मतपेटिकाएं, जबकि नगर परिषद एवं नगर पंचायतों में तीन-तीन मतपेटिकाओं का उपयोग होगा। नामांकन से लेकर निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाने तक की संपूर्ण प्रक्रिया 30 मई को सुबह 8 बजे से बिना विराम के पूरी की जाएगी। निर्देश के अनुसार, प्रत्येक निर्वाचित वार्ड पार्षद केवल एक रिक्ति के लिए नामांकन कर सकेंगे। यदि कोई पार्षद एक से अधिक रिक्तियों के लिए नामांकन करता है, तो न्यूनतम क्रमांक वाली मतपेटिका में किया गया नामांकन ही वैध माना जाएगा। वहीं सभी निर्वाचित वार्ड पार्षद सभी रिक्तियों के लिए मतदान कर सकेंगे। मतदान समाप्त होने के बाद संबंधित मतपेटिकाओं को वार्ड पार्षदों की उपस्थिति में खोला जाएगा और मतगणना की जाएगी। अधिकतम मत प्राप्त करने वाले उम्मीदवार को निर्वाचित घोषित कर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। इसके बाद नगर विकास एवं आवास विभाग, बिहार के प्रावधानों के तहत निर्वाचित सदस्यों को गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। शपथ ग्रहण के साथ ही पूर्व में मनोनीत सशक्त स्थायी समिति स्वतः भंग मानी जाएगी। बैठक में जिला पदाधिकारी ने सभी निर्वाची पदाधिकारियों को निर्वाचन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। साथ ही संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराने का भी निर्देश दिया गया। दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों को समय पर प्रतिनियुक्ति स्थल पर उपस्थित रहकर विधि-व्यवस्था बनाए रखने को कहा गया।

"महावारी स्वच्छता सप्ताह का हुआ आयोजन" छात्राओं व महिलाओं को किया जागरूक

» जिले के 4 प्रखंडो में 'पीएसपी' सदस्यों ने बढ़ चढ़ कर निभाई भूमिका

बीएनएम @ मोतिहारी

मोतिहारी। जिला के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों और विद्यालयों में "महावारी स्वच्छता सप्ताह के अंतर्गत छात्राओं एवं महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से 'महावारी स्वच्छता दिवस' आयोजित की गईं। यह दिवस प्रत्येक वर्ष 22 मई से 28 तक आयोजित की जाती है,वहीं 28 मई को 'विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य माहवारी से जुड़ी वर्जनाओं को तोड़ना और महिलाओं/किशोरियों को सुरक्षित और गरिमापूर्ण स्वच्छता प्रबंधन के लिए जागरूक करना है। पूर्वी चम्पारण जिले के 04 प्रखंडो चिरैया, मधुबन, चकिया, संग्रामपुर मे विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया जहाँ इस अभियान में पीएसपी (रोगी हितधारक मंच) सदस्यों ने मुख्य भूमिका निभाते हुए किशोरियों और महिलाओं को स्वास्थ्य व स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। चिरैया के सरोगढ़ उच्च माध्यमिक विधालय में नोडल शिक्षिका सोनी वर्मा, सीएचओ रानी कुमारी चौरसिया ने पुरे स्कुल की लड़कियों को स्वच्छता का पाठ पढ़ाया। इस दौरान वाद विवाद, ड्रॉइंग कार्यक्रम का आयोजन हुआ। अम्बरिया मे सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी,अनुष्का भारती, चमही मे फूल कुमारी, लालबेगिया मे रोहित राज, मधुबन के जीतउरा आयुष्मान आरोग्य मंदिर के साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों पर उपस्थिति लोगों को सीएचओ जीतेन्द्र कुमार, बंजरिया मे अमित कुमार के द्वारा एवं स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा लोगों को जागरूक किया गया। पीएसपी सदस्यों ने महिलाओं व किशोरियों को विशेष रूप से अपने शरीर की साफ-सफाई रखने तथा मासिक धर्म के समय कपड़े की जगह सेनेटरी पैड का इस्तेमाल करने के लिए पूरी मुस्तैदी से प्रेरित किया। पीएसपी और स्वास्थ्य कर्मियों ने महावारी स्वच्छता के साथ-साथ क्षेत्र में फैलने वाली गंभीर बीमारियों जैसे कालाजार, फाइलेरिया, मलेरिया, एईएस और एचपीवी वैक्सीन के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। बच्चों को इन बीमारियों के लक्षण और बचाव के उपाय बताए गए।

संक्षिप्त समाचार

ठनका गिरने से युवक की मौत

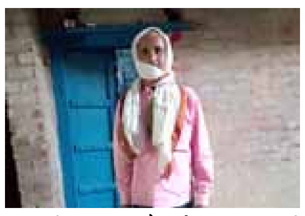

बीएनएम @ गयाजी। जिले के डुमरिया प्रखंड के भदवर थाना क्षेत्र स्थित कीसूनचक गांव में शुक्रवार सुबह दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। भैंस चराने निकले 32 वर्षीय दिनेश यादव पर अचानक आकाशीय बिजली कहर बनकर टूटी और उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।जानकारी के अनुसार, दिनेश यादव रोज की तरह सुबह करीब 7:30 बजे घर से लगभग एक किलोमीटर दूर बीजूआ बरवाडीह के हरिईयाटाड़ में भैंस चराने गए थे। तभी अचानक मौसम बिगड़ा, आसमान में तेज गर्जना हुई और देखते ही देखते बिजली सीधे दिनेश पर आ गिरी। बिजली का झटका इतना भयानक था कि वह वहीं जमीन पर गिर पड़े और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही इलाके में हड़कंप मच गया। परिजनों की चीख-पुकार से पूरा गांव गूंज उठा। सबसे दर्दनाक बात यह है कि दिनेश यादव अपने परिवार के इकलौते कमाने वाले सदस्य थे। मजदूरी कर किसी तरह पत्नी, दो बेटों और दो बेटियों का पेट पाल रहे थे। कुछ समय पहले ही उन्होंने अपनी एक बेटी की शादी की थी। मौत के बाद परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

अजीत कुमार पाठक सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विस कमिटी पैनल में चयनित

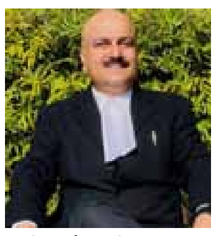

बीएनएम @ बगहा : अजीत कुमार पाठक अधिवक्ता के रूप में सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विस कमिटी पैनल में चयनित हुए हैं। कानून व न्यायिक क्षेत्र में कर्तव्य निष्ठा और सेवा भाव की परिणाम एवं यश है। इसके पहले सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया में मीडियेटर पद पर चयनित और अब सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विस कमिटी में पैनल अधिवक्ता के रूप में चयन काबिले तारीफ है जिससे कि अब इन्हें सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विस कमिटी के गरीब लिटीगैंट की मुकदमों का निष्पादन आदि कार्यों कि महती जिम्मेदारी मिलेगी। पश्चिम चंपारण जिला के लौरिया प्रखण्ड अंतर्गत ढाठ मटियरीया गाँव निवासी अजीत वर्षों से सर्वोच्च एवं उच्च न्यायालय दिल्ली में वकालत करते आ रहे हैं। इस संबंध में पाठक ने बताया कि यह मेरे अथक मेहनत तथा घर परिवार के सहयोग का फल है।

इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रों को सिखाए गए साइबर सुरक्षा और एआई के गुर

बीएनएम @ शेखपुरा: शेखपुरा के राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज में 'इनक्यूबेशन हब ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप' द्वारा 'एआई इन साइबर सिक्योरिटी' विषय पर एक विशेष और ज्ञानवर्धक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर सुरक्षा के आधुनिक उपयोगों के साथ-साथ डिजिटल सुरक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करना था। कार्यशाला में सी-डैक पटना के साइंटिस्ट-बी शैलेंद्र प्रताप सिंह और साइबर सिक्योरिटी एनालिस्ट प्रशांत श्रीवास्तव मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। शैलेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि वर्तमान में डिजिटल सुरक्षा को मजबूत करने के लिए एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है और उन्होंने छात्रों को बढ़ते साइबर खतरों के प्रति सचेत किया। वहीं, प्रशांत श्रीवास्तव ने साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक उपयोगों, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुरक्षित रहने के उपायों और इस क्षेत्र में करियर के बेहतरीन अवसरों पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संदीप तिवारी, डीन एकेडमिक डॉ. जयशंकर प्रसाद और स्टार्टअप सेल के फैकल्टी इंचार्ज प्रोफेसर संदीप कुमार ने छात्रों को तकनीकी नवाचार और आधुनिक कौशल विकास के लिए प्रेरित किया। प्रोफेसर संदीप कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस सफल कार्यक्रम में छात्र प्रतिनिधि आशीष कुमार और प्रियांशु भारद्वाज ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बड़ी संख्या में शामिल हुए विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

30 मई को नगर निकायों में सशक्त स्थायी समिति का होगा चुनाव

नामांकन से शपथ ग्रहण तक की प्रक्रिया एक दिन में होगी पूरी

बीएनएम @ बेतिया : पश्चिम चम्पारण जिले के सभी नगर निकायों में 30 मई को सशक्त स्थायी समिति के सदस्यों का निर्वाचन कराया जाएगा। निर्वाचन की तैयारी को लेकर जिला पदाधिकारी तरनजोत सिंह की अध्यक्षता में सभी निर्वाची पदाधिकारियों, सहायक निर्वाची पदाधिकारियों एवं प्रतिनियुक्त दण्डाधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। निर्वाचन नगर निगम बेतिया, नगर परिषद नरकटियागंज, बगहा, रामनगर तथा नगर पंचायत चनपटिया, लौरिया और मच्छरगांवा में संपन्न होगा। चुनाव प्रक्रिया 30 मई को सुबह 8 बजे से शुरू होगी और नामांकन, मतदान, मतगणना, परिणाम घोषणा तथा शपथ ग्रहण की पूरी प्रक्रिया बिना किसी विराम के एक ही दिन में पूरी की जाएगी। प्रत्येक रिक्ति के लिए अलग-अलग मतपेटिका का उपयोग होगा। नगर निगम बेतिया में सात तथा अन्य नगर परिषदों और नगर पंचायतों में तीन-तीन मतपेटिकाएं प्रयुक्त की जाएंगी। मतदान के बाद तत्काल मतगणना कर विजयी उम्मीदवारों को प्रमाण पत्र दिया जाएगा। इसके उपरांत बिहार नगरपालिका अधिनियम 2007 की धारा-24 के तहत निर्वाचित सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। प्रशासन ने संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर सीमांचल पहुंची संकल्प-सह-जनजागरण यात्रा, शिक्षकों ने भरी हुंकार

बीएनएम @ अररिया

अररिया। पुरानी पेंशन योजना बहाली की मांग को लेकर निकली संकल्प-सह-जनजागरण यात्रा सीमांचल दौरे के क्रम में अररिया जिले के फारबिसगंज पहुंची, जहां शिक्षकों एवं विभिन्न संवर्ग के कर्मचारियों ने जोरदार समर्थन देते हुए पुरानी पेंशन बहाली की मांग बुलंद की। परिवर्तनकारी शिक्षक महासंघ, बिहार प्रदेश के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी शामिल हुए। संकल्प-सह-जनजागरण यात्रा का नेतृत्व प्रणय कुमार, नवनीत कुमार एवं मृत्युंजय ठाकुर कर रहे हैं। कार्यक्रम में अशोक कुमार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। फारबिसगंज में आयोजित सभा के बाद यात्रा रानीगंज स्थित लालजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंची, जहां शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने एकजुट होकर पुरानी पेंशन योजना लागू करने की मांग दोहराई। सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि पुरानी पेंशन योजना कर्मचारियों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने सरकार से इसे शीघ्र लागू करने की मांग की। शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने कहा कि पुरानी पेंशन सम्मानजनक भविष्य की गारंटी है। प्रदेश संयोजक प्रणय कुमार ने कहा कि नई पेंशन योजना कर्मचारियों के भविष्य के साथ अन्याय है और पुरानी पेंशन कर्मचारियों का अधिकार है। उन्होंने कहा कि इसे लागू कराने तक संघर्ष जारी रहेगा। वहीं प्रदेश अध्यक्ष नवनीत कुमार ने कहा कि यह केवल आर्थिक सुरक्षा का नहीं, बल्कि कर्मचारियों के सम्मान और आत्मविश्वास का भी मुद्दा है। प्रदेश मीडिया प्रभारी मृत्युंजय ठाकुर ने कहा कि सीमांचल क्षेत्र में जिस तरह शिक्षकों एवं कर्मचारियों का व्यापक समर्थन मिल रहा है, उससे स्पष्ट है कि पुरानी पेंशन बहाली अब जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। प्रदेश महासचिव अशोक कुमार ने भी सभी शिक्षकों एवं कर्मियों से एकजुट होकर आंदोलन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने एक स्वर में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग दोहराई और आंदोलन को तेज करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर प्रवेज अहमद, मोहम्मद मोबीन, माहेनिगार सुल्तान, खजराना खातून, सोनी कुमारी, रहिना, राहुल कुमार, हर्षित कुमार, धर्मेंद्र कुमार, विमल कुमार, मनीष कुमार, रेवती रमण, वैभव कुमार, रौजीत Kumar, मोहन कुमार, प्रमिला कुमारी, शारदा कुमारी एवं नवरंग कुमार सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

तिरहुत गंडक नहर के सायफन में स्नान करने गया किशोर लापता

बीएनएम @ बगहा

बगहा : बगहा पुलिस जिला के पटखौली थाना क्षेत्र स्थित तिरहुत नहर बरवल सायफन में स्नान करने गया 13 वर्षीय किशोर लापता हो गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और एसडीआरएफ टीम को बुलाकर खोजबीन शुरू कराई गई है ।जानकारी के अनुसार बगहा नगर परिषद के वार्ड संख्या 29 स्थित बनकटवा निवासी अनूप सहनी का पुत्र तुलसी कुमार गुरुवार की दोपहर दोस्तों के साथ तिरहुत नहर में स्नान करने गया था। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में चला गया। साथ में स्नान कर रहे बच्चों ने घटना की जानकारी गांव के लोगों को दी। सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए तथा स्थानीय तैराकों की मदद से नहर में खोजबीन शुरू की गई। काफी प्रयास के बावजूद किशोर का कोई सुराग नहीं मिलने पर मामले की सूचना पटखौली थाना पुलिस एवं बगहा दो अंचलाधिकारी मो. वसीम अकरम को दी गई। अंचलाधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे । नहर में पानी अधिक रहने के कारण खोजबीन में हो रही परेशानी को देखते हुए सिंचाई विभाग के अधिकारियों से संपर्क कर नहर का पानी बंद कराया गया। इधर किशोर की तलाश के लिए एसडीआरएफ टीम को भी बुलाया गया। टीम घटनास्थल पर पहुंचकर खोज अभियान में जुट गई। सीओ मो. वसीम अकरम ने बताया कि लापता किशोर की पहचान तुलसी कुमार के रूप में हुई है।

खुटौना हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में डॉक्टर की अनुपस्थिति से ग्रामीण परेशान

बीएनएम @ पताही

पताही। प्रखंड क्षेत्र के खुटौना स्थित हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में स्वास्थ्य व्यवस्था दिनोंदिन बदहाल होती जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि यहां कार्यरत होम्योपैथिक डॉक्टर श्वेता शर्मा नियमित रूप से केंद्र पर उपस्थित नहीं रहती हैं, जिसके कारण इलाज कराने आने वाले गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि सरकार गांव-गांव में बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने और गरीबों के इलाज के लिए डॉक्टरों की बहाली करती है, लेकिन कई जगह बहाली के बाद डॉक्टर ड्यूटी पर आना मुनासिब नहीं समझते। खुटौना हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर की स्थिति भी कुछ ऐसी ही बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यहां कार्यरत होम्योपैथिक डॉक्टर कभी-कभार ही स्वास्थ्य केंद्र पर आती हैं। उनके आने और जाने का कोई निश्चित समय नहीं रहता। मरीज सुबह से लेकर शाम तक डॉक्टर के इंतजार में बैठे रहते हैं, लेकिन कई बार बिना इलाज कराए ही वापस लौटने को मजबूर हो जाते हैं। इससे मरीजों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में डॉक्टर की अनुपस्थिति के कारण छोटे-छोटे रोगों के इलाज के लिए भी लोगों को दूरदराज के अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। इससे गरीब परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। वहीं समय पर इलाज नहीं मिलने से मरीजों की परेशानी और बढ़ जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि जब से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को "आरोग्य मंदिर" बनाया गया है, तब से यहां मरीजों की संख्या में काफी बढ़ोतरी हुई है। रोजाना बड़ी संख्या में लोग इलाज के लिए पहुंचते हैं, लेकिन मरीजों को देखने के लिए डॉक्टर उपलब्ध नहीं रहते। ऐसे में सरकार की महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ आम लोगों तक सही तरीके से नहीं पहुंच पा रहा है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग के वरीय अधिकारियों से मामले की जांच कर नियमित स्वास्थ्य सेवा बहाल कराने की मांग की है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं इस संबंध में जब पताही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा प्रभारी डॉ. शंकर बैठा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस मामले की शिकायत मिली है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अलग कर दिया गया है, इसलिए इसकी सूचना जिला स्तर पर भेजी जाएगी। जिला से जो भी निर्देश प्राप्त होगा, उसके अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

समय पर गैस सिलेंडर आपूर्ति की लगातार हो रही निगरानी

लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न होने पाए : अपर समाहर्ता

बीएनएम @ बेतिया

बेतिया: अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा ने बताया कि जिले में घरेलू एवं वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। वर्तमान समय में जिले में 14.2 किलोग्राम के कुल 28862 घरेलू गैस सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के 1284 वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध हैं। जिला प्रशासन द्वारा सभी उपभोक्ताओं तक समय पर गैस सिलेंडर की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए लगातार निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटों के दौरान जिलेभर में कुल 9322 गैस सिलेंडरों की सफलतापूर्वक होम डिलीवरी कराई गई है। प्रशासन का प्रयास है कि उपभोक्ताओं को बिना किसी अनावश्यक विलंब के उनके घर तक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाए, ताकि आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। अपर समाहर्ता-सह-जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने जानकारी दी कि गैस आपूर्ति एवं वितरण से संबंधित प्राप्त 11 शिकायतों को संबंधित अनुमंडल पदाधिकारियों को अग्रसारित करते हुए त्वरित कार्रवाई का निर्देश दिया गया है। साथ ही शिकायतों के निष्पादन की नियमित मॉनिटरिंग भी की जा रही है, ताकि उपभोक्ताओं की समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित हो सके। जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि गैस बुकिंग, डिलीवरी अथवा आपूर्ति से जुड़ी किसी भी प्रकार की देरी, अनियमितता या अन्य शिकायत की स्थिति में वे जिला नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06254-247002 एवं 06254-247003 पर संपर्क कर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

सवालों से बचती सत्ता और घुटनों पर बैठा मीडिया

दिलीप कुमार पाठक

30 मई को भारत में हर साल हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। यह दिन हमारे देश में हिंदी भाषा में पहला अखबार शुरू होने की याद में मनाया जाता है। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने साल 1826 में इसे कोलकाता से शुरू किया था। उस दौर में पत्रकारिता का एक ही मकसद था, देश को आजाद कराना और समाज को जगाना। लेकिन आज जब हम इस दिन को मनाते हैं, तो खुशी से ज्यादा हमारे मन में एक चिंता होती है। आज की पत्रकारिता उस ऊंचे रास्ते से बहुत दूर आ चुकी है। आज हमारा मीडिया और पत्रकारिता का स्तर लगातार नीचे गिरता जा रहा है। पत्रकारिता को कभी लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता था, जिसका काम जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाना और सरकार की कमियों को सामने लाना था। लेकिन आज ऐसा लगता है कि यह स्तंभ कमजोर हो चुका है। अखबारों और टीवी चैनलों पर अब जनता के असली मुद्दे, जैसे गरीबी, बेरोजगारी, अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य गायब हो चुके हैं। इसकी जगह दिन-रात धर्म के नाम पर विवाद, राजनीतिक दलों की आपसी लड़ाई और गैर-जरूरी सनसनीखेज खबरें दिखाई जाती हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को अपनी तरफ खींचने की इस अंधी दौड़ ने खबरों को सिर्फ एक तमाशा बना दिया है। भारतीय पत्रकारिता की यह गिरती हुई साख अब सिर्फ देश के भीतर ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में धूमिल हो रही है। दुनिया भर में प्रेस की आजादी को नापने वाली सूची में भारत लगातार नीचे गिरकर 157वें स्थान पर पहुंच गया है। यह इस बात का साफ सबूत है कि हमारे देश में निष्पक्ष पत्रकारों के लिए काम करना कितना मुश्किल हो गया है। सरकार की कमियों पर सवाल उठाने वाले पत्रकारों को डराया-धमकाया जाता है, उन पर झूठे मुकदमे दर्ज किए जाते हैं या उन्हें नौकरी से निकाल दिया जाता है। हाल ही में नॉर्वे दौरे पर हुई एक घटना ने वैश्विक स्तर पर भारतीय मीडिया की इस स्थिति को पूरी दुनिया के सामने ला दिया। ओस्लो में एक साझा प्रेस वार्ता के बाद, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोडियम से हटने लगे, तो नॉर्वे की एक महिला पत्रकार हेला लेंग ने उनसे एक सीधा और सरल सवाल पूछा कि, पीएम मोदी आप दुनिया की सबसे आजाद प्रेस के पत्रकारों के सवालों के जवाब क्यों नहीं देते? प्रधानमंत्री इस सवाल का बिना कोई जवाब दिए वहां से आगे बढ़ गए, इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पूरी दुनिया में फैल गया और इसने वैश्विक मंच पर भारतीय लोकतंत्र की छवि को बड़ा नुकसान पहुंचा। यह घटना एक और बड़े कड़वे सच को सामने लाती है। (लेखक पत्रकार हैं)

दिल्ली में क्वॉड का मंथन आगाज़

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

-बैठे चार यार क्या अब रुक जाएगा वार?- चीन एशियाई नाटो जैसी संज्ञा क्यों देता हैं? आतंकवाद के खिलाफ़ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराना बैठक का महत्वपूर्ण संदेश

भारतीय अध्यक्षता में संपन्न क्वॉड शिखर सम्मेलन 26 मई 2026 -इंडो-पैसिफिक से मिडिल ईस्ट तक बदलती वैश्विक रणनीति का नया संकेत

क्वॉड अब केवल एक संवाद मंच नहीं, वैश्विक रणनीतिक स्थिरता, समुद्री सुरक्षा,तकनीकी सहयोग और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बचाने वाला प्रभावशाली समूह बना

वैश्विक स्तरपर नई दिल्ली में 26 मई 2026 को संपन्न हुई, क्वॉड विदेश मंत्रियों की बैठक केवल एक कूटनीतिक औपचारिकता नहीं थी,बल्कि तेजी से बदलते वैश्विक शक्ति-संतुलन के बीच चार प्रमुख लोकतांत्रिक शक्तियों, भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का रणनीतिक मंथन थी। ऐसे समय में जब पश्चिमएशिया में युद्ध और तनाव ने पूरी दुनियाँ की ऊर्जा सुरक्षा,समुद्री व्यापार और सप्लाई चेन को अस्थिर कर दिया है,वहीं हिंद- प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता, समुद्री विस्तारवाद और भू- राजनीतिक प्रतिस्पर्धा ने वैश्विक शक्तियों की चिंताओं को और गहरा कर दिया है। इसी पृष्ठभूमि में दिल्ली में बैठे चार यार केवल बयान देने नहीं, बल्कि भविष्य की विश्व-व्यवस्था के नए समीकरण तय करने के लिए एक मंच पर दिखाई दिए। भारतीय विदेश मंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक और संयुक्त प्रेस वार्ता ने स्पष्ट संकेत दिया कि क्वॉड अब केवल एक संवाद मंच नहीं,बल्कि वैश्विक रणनीतिक स्थिरता, समुद्री सुरक्षा, तकनीकी सहयोग और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बचाने वाला प्रभावशाली समूह बन चुका है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क्रि मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव, अमेरिकी सैन्य गतिविधियों, ऊर्जा संकट की आशंकाओं और इंडो- पैसिफिक में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच दिल्ली में हुआ यह मंथन आने वाले समय की वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाला बहुत महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

साथियों भारत की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो,ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग और जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोटेगी की उपस्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्वॉड देशों के बीच रणनीतिक समन्वय अब पहले से कहीं अधिक मजबूत हो चुका है। यह बैठक ऐसे समय हुई जब पूरी दुनियाँ पश्चिम एशिया की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। ईरान से जुड़े घटनाक्रम, अमेरिकी सैन्य सक्रियता और ऊर्जा आपूर्ति मार्गों पर बढ़ते खतरे ने वैश्विक आर्थिक अस्थिरता की आशंकाओं को बढ़ा दिया है।ऐसे में नई दिल्ली की यह बैठक केवल इंडो-पैसिफिक तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें वैश्विक भू - राजनीतिक चुनौतियों और आर्थिक सुरक्षा के व्यापक पहलुओं पर भी विचार हुआ।भारतीय विदेश मंत्री ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में स्पष्ट कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र वैश्विक विकास और स्थिरता का मुख्य इंजन बन चुका है। उन्होंने इस क्षेत्र में स्वतंत्र,खुले और समावेशी वातावरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का दबाव,आक्रामकता या एकतरफा शक्ति-प्रदर्शन क्षेत्रीय संतुलन के लिए खतरा है।उन्होंने भरोसेमंद और पारदर्शी साझेदारी को वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। उनका यह बयान अप्रत्यक्ष रूप से चीन की आक्रामक नीतियों और विस्तारवादी रणनीति की ओर संकेत माना गया। भारत ने साफ संदेश दिया कि वह इंडो-पैसिफिक में किसी भी प्रकार की अस्थिरता को स्वीकार नहीं करेगा और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।क्वॉड बैठक का सबसे महत्वपूर्ण पहलू समुद्री सुरक्षा और फ्रीडम ऑफ नेविगेशन पर हुआ व्यापक विचार- विमर्श रहा। हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व व्यापार का सबसे बड़ा समुद्री मार्ग है, जहां से वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। दक्षिण चीन सागर से लेकर हिंद महासागर तक बढ़ती सैन्य गतिविधियों और सामरिक प्रतिस्पर्धा ने इन समुद्री मार्गों की सुरक्षा को अंतरराष्ट्रीय चिंता का विषय बना दिया है। बैठक में इस बात पर सहमति बनी किअंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों का पालन सुनिश्चित किया जाए और किसी भी देश को एकतरफा तरीके से समुद्री नियंत्रण स्थापित करने की अनुमति न मिले। यह संदेश स्पष्ट रूप से चीन की समुद्री गतिविधियों और उसके बढ़ते प्रभाव को संतुलित करने की दिशा में सटीकता से देखा जा रहा है।

साथियों,बैठक में वैश्विकसप्लाई चेन की मजबूती पर भी विशेष जोर दिया गया। कोविड महामारी और उसके बाद रूस-यूक्रेन युद्ध तथा पश्चिम एशिया संकट ने यह साबित कर दिया कि दुनियाँ किसी एक देश या क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता का जोखिम नहीं उठा सकती। क्वॉड देशों ने महत्वपूर्णखनिजों यानी क्रिटिकल मिनरल्स और रेयर अर्थ सप्लाई चेन को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।आधुनिक तकनीक, इलेक्ट्रिक वाहन, सेमीकंडक्टर और रक्षा उपकरणों के निर्माण में इन खनिजों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभी तक इन क्षेत्रों में चीन का दबदबा माना जाता रहा है,लेकिन क्वॉड देशों की नई रणनीति का उद्देश्य वैकल्पिक आपूर्ति तंत्र विकसित करना है ताकि सटीकता से किसी एक देश पर निर्भरता कम हो सके।

साथियों, भारत और अमेरिका के बीच क्रिटिकल मिनरल्स सप्लाई चेन को लेकर हुए समझौते को इस बैठक की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत तेजी से उभरती हुई विनिर्माण शक्ति बनना चाहता है और इसके लिए उसे सुरक्षित तथा विश्वसनीय संसाधन आपूर्ति की आवश्यकता है। वहीं अमेरिका चीन पर निर्भरता कम करने की वैश्विक रणनीति पर काम कर रहा है। ऐसे में दोनों देशों के बीच यह सहयोग भविष्य में तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी को नई ऊंचाई दे सकता है।उभरती हुई प्रौद्योगिकियों और साइबर सुरक्षा पर भी बैठक में व्यापक चर्चा हुई। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम कंप्यूटिंग, सेमीकंडक्टर, साइबर डिफेंस और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर आज वैश्विक शक्ति संतुलन के नए उपकरण बन चुके हैं। क्वॉड देशों ने इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने और सुरक्षित तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर सहमति जताई। विशेष रूप से साइबर अपराध और डिजिटल जासूसी को लेकर साझा चिंता व्यक्त की गई। डिजिटल दुनिया में बढ़ते खतरों को देखते हुए यह सहयोग भविष्य में सामरिक सटिका से महत्व का आधार बन सकता है।

साथियों,आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति को दोहराना भी इस बैठक का महत्वपूर्ण संदेश रहा। क्वॉड देशों ने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार का आतंकवाद मानवता और वैश्विक स्थिरता के लिए खतरा है। भारत लंबे समय से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाता रहा है और इस बार भी उसने आतंकवाद के खिलाफ कठोर वैश्विक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। यह संदेश केवल क्षेत्रीय सुरक्षा तक सीमित नहीं था, बल्कि उन शक्तियों को भी संकेत था जो अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद को समर्थन देती हैं।मिडिल ईस्ट यानी पश्चिम एशिया के हालात पर हुई चर्चा ने इस बैठक को और अधिक वैश्विक महत्व प्रदान किया। ईरान से जुड़े तनाव, अमेरिकी सैन्य हमलों और क्षेत्रीय संघर्षों ने वैश्विक तेल आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों को प्रभावित करने की आशंका पैदा कर दी है। क्वॉड देशों ने चिंता जताई कि यदि यह संकट और गहराया तो वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। ऊर्जा कीमतों में वृद्धि, सप्लाई चेन में बाधा और आर्थिक अस्थिरता पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि दिल्ली बैठक में पश्चिम एशिया के मुद्दे पर विशेष ध्यान दिया गया।

साथियों, बैठक में यह भी स्पष्ट हुआ कि क्वॉड अब केवल सुरक्षा सहयोग तक सीमित नहीं रहना चाहता, बल्कि आर्थिक, तकनीकी और रणनीतिक साझेदारी के व्यापक ढांचे में विकसित हो रहा है। यह समूह एक ऐसे वैकल्पिक वैश्विक सहयोग मॉडल के रूप में उभर रहा है जो लोकतांत्रिक मूल्यों, पारदर्शिता और नियम- आधारित व्यवस्था पर आधारित है। क्वॉड की बढ़ती सक्रियता इस बात का संकेत है कि आने वाले समय में वैश्विक शक्ति संतुलन बहुध्रुवीय स्वरूप की ओर बढ़ सकता है।हालांकि इस बार नेताओं का पूर्ण शिखर सम्मेलन आयोजित नहीं हो सका, लेकिन विदेश मंत्रियों की बैठक ने यह साबित कर दिया कि क्वॉड की गति धीमी नहीं हुई है। भारत ने औपचारिक रूप से क्वॉड की अध्यक्षता ऑस्ट्रेलिया को सौंप दी। यह हस्तांतरण केवल प्रक्रियात्मक नहीं, बल्कि सहयोग की निरंतरता का प्रतीक भी है। ऑस्ट्रेलिया की नई भूमिका आने वाले समय में इंडो- पैसिफिक रणनीति को और सक्रिय बना सकती है।भारत के लिए यह बैठक विशेष महत्व रखती है क्योंकि उसने एक बार फिर वैश्विक कूटनीति में अपनी केंद्रीय भूमिका को स्थापित किया है। नई दिल्ली अब केवल दक्षिण एशिया की राजनीतिक राजधानी नहीं, बल्कि वैश्विक रणनीतिक विमर्श का महत्वपूर्ण केंद्र बनती जा रही है। रूस- यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया संकट और इंडो- पैसिफिक सुरक्षा तक, भारत ने संतुलित और बहुआयामी कूटनीति का प्रदर्शन किया है। क्वॉड बैठक की सफल मेजबानी ने यह संदेश दिया कि भारत विश्व राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाने की क्षमता रखता है।क्वॉड को लेकर चीन की चिंताएं भी लगातार बढ़ती रही हैं। चीन लंबे समय से इस समूह को एशियाई नाटो जैसी संज्ञा देता रहा है।

(-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी)

कश्मीर पर भारत का अडिग संकल्प और चीन पाकिस्तान को करारा संदेश

कांतिलाल मांडोत

जम्मू कश्मीर और लद्दाख को लेकर भारत की नीति हमेशा से स्पष्ट, दृढ़ और अटल रही है। भारत ने एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने यह साफ कर दिया है कि जम्मू कश्मीर और लद्दाख उसके अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं और रहेंगे। चीन और पाकिस्तान द्वारा जारी संयुक्त बयान के बाद भारत के विदेश मंत्रालय की ओर से दिया गया कड़ा जवाब केवल एक कूटनीतिक प्रतिक्रिया नहीं था, बल्कि यह भारत की संप्रभुता, राष्ट्रीय स्वाभिमान और क्षेत्रीय अखंडता की स्पष्ट घोषणा थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दो टूक शब्दों में कहा कि किसी भी देश को भारत के आंतरिक मामलों पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है। यह बयान ऐसे समय आया है जब चीन और पाकिस्तान लगातार अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर मुद्दे को जीवित रखने की कोशिश कर रहे हैं।

दरअसल पाकिस्तान लंबे समय से कश्मीर को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनाने की असफल कोशिश करता रहा है। उसे यह भय सताता है कि यदि दुनिया ने जम्मू कश्मीर और लद्दाख को पूरी तरह भारत का हिस्सा मान लिया तो उसका दशकों पुराना प्रचार तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो जाएगा। दूसरी ओर चीन भी अपनी सामरिक और आर्थिक महत्वाकांक्षाओं के कारण पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई देता है। चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपेक का एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। भारत शुरू से इस परियोजना का विरोध करता आया है क्योंकि यह भारत की संप्रभुता का उल्लंघन है। भारत का स्पष्ट मत है कि जिस क्षेत्र पर पाकिस्तान ने अवैध कब्जा कर रखा है वहां किसी तीसरे देश की परियोजना स्वीकार नहीं की जा सकती। चीन और पाकिस्तान यह भलीभांति जानते हैं कि यदि उन्होंने कश्मीर और लद्दाख का नाम लेना बंद कर दिया तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह संदेश जाएगा कि ये क्षेत्र पूरी तरह भारत के ही अंग हैं। यही कारण है कि दोनों देश समय समय पर संयुक्त बयान जारी कर इस मुद्दे को हवा देने का प्रयास करते रहते हैं। लेकिन वास्तविकता यह है कि दुनिया अब पाकिस्तान के पुराने दुष्प्रचार को गंभीरता से नहीं लेती। अधिकांश देशों ने यह समझ लिया है कि जम्मू कश्मीर भारत का आंतरिक विषय है और इसका समाधान भारत अपने संवैधानिक ढांचे के भीतर ही करेगा। भारत ने वर्ष 2019 में अनुच्छेद 370 हटाकर जम्मू कश्मीर को पूर्ण रूप से भारतीय संविधान के दायरे में लाने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। इसके बाद से पाकिस्तान लगातार बौखलाहट में दिखाई देता है। पाकिस्तान को उम्मीद थी कि दुनिया भारत के खिलाफ खड़ी होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। संयुक्त राष्ट्र सहित अधिकांश वैश्विक शक्तियों ने इसे भारत का आंतरिक मामला माना। यही कारण है कि पाकिस्तान बार बार चीन का सहारा लेकर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कश्मीर का मुद्दा उठाने की कोशिश करता है। चीन का रवैया भी पूरी तरह निष्पक्ष नहीं माना जा सकता। वह एक ओर भारत के साथ आर्थिक और व्यापारिक संबंध बनाए रखना चाहता है, वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान को सामरिक सहयोग देकर दक्षिण एशिया में अपना प्रभाव बढ़ाने की रणनीति पर काम करता है। लेकिन भारत अब पहले वाला भारत नहीं है। आज भारत आर्थिक, सामरिक और कूटनीतिक दृष्टि से दुनिया की बड़ी शक्तियों में शामिल हो चुका है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी संप्रभुता से किसी प्रकार का समझौता नहीं करेगा। भारत की बढ़ती ताकत का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि आज दुनिया की बड़ी शक्तियां भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाने में रुचि दिखा रही हैं। चाहे अमेरिका हो, फ्रांस हो, रूस हो या पश्चिम एशिया के देश, सभी भारत को एक विश्वसनीय और जिम्मेदार शक्ति के रूप में देखते हैं। दूसरी ओर पाकिस्तान आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और आतंकवाद की समस्या से जूझ रहा है। उसकी स्थिति इतनी कमजोर हो चुकी है कि वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और दूसरे देशों की आर्थिक मदद पर निर्भर है। ऐसे में भारत को चुनौती देना उसके लिए केवल राजनीतिक बयानबाजी भर रह गया है।

भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर भी हमेशा सख्त रुख अपनाया है। हाल ही में खुफिया एजेंसियों द्वारा अल बद्र और हिजबुल मुजाहिदीन के संभावित गठजोड़ को लेकर जारी अलर्ट इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अभी भी आतंकवाद को अपनी रणनीति का हिस्सा बनाए हुए है। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई लंबे समय से जम्मू कश्मीर में आतंक फैलाने वाले संगठनों को समर्थन देती रही है। लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों ने पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर इन संगठनों की कमर तोड़ दी है। आज घाटी में विकास की नई तस्वीर दिखाई दे रही है। सड़कें बन रही हैं, पर्यटन बढ़ रहा है, निवेश आ रहा है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं। यही बदलाव पाकिस्तान और उसके समर्थकों को सबसे अधिक परेशान करता है। वे नहीं चाहते कि जम्मू कश्मीर शांति और विकास के रास्ते पर आगे बढ़े, क्योंकि इससे उनका झूठा प्रचार कमजोर पड़ता है। इसलिए समय समय पर आतंकवादी गतिविधियों और अंतरराष्ट्रीय बयानबाजी के जरिए माहौल खराब करने की कोशिश की जाती है। भारत ने हमेशा स्पष्ट किया है कि बातचीत और शांति तभी संभव है जब आतंकवाद पूरी तरह बंद हो। एक तरफ पाकिस्तान शांति की बात करता है और दूसरी तरफ आतंकवादी संगठनों को संरक्षण देता है। यह दोहरा चरित्र अब दुनिया से छिपा नहीं है। भारत की नीति साफ है कि आतंक और वार्ता साथ साथ नहीं चल सकते। चीन और पाकिस्तान को यह समझ लेना चाहिए कि नया भारत हर चुनौती का जवाब देने में सक्षम है। भारत केवल सैन्य शक्ति के आधार पर ही नहीं बल्कि आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और वैश्विक कूटनीति के दम पर भी मजबूत हुआ है। भारतीय सेना सीमाओं की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है और देश की जनता भी राष्ट्रीय एकता के मुद्दे पर पूरी मजबूती से सरकार के साथ खड़ी है।

जम्मू कश्मीर और लद्दाख भारत की पहचान, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता का हिस्सा हैं। इन्हें भारत से अलग देखने की कल्पना भी असंभव है। चीन और पाकिस्तान चाहे जितने संयुक्त बयान जारी कर लें, चाहे जितने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर शोर मचा लें, इससे जमीन पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। भारत ने साफ कर दिया है कि उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता सर्वोपरि है और इस पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी या हस्तक्षेप स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(L 103 जलवन्त टाउनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार -स्तम्भकार)

मेष राशि : आज आप अपनी सेहत को ध्यान में रखकर चीखने-चिल्लाने से बचें। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं।

वृष राशि : आज आपकी शारीरिक बीमारी के सही होने की काफ़ी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप शीघ्र ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं। आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। बच्चे की तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। कारोबारी आज कारोबार से ज्यादा अपने परिवार के लोगों के बीच समय बिताना पसंद करेंगे।

मिथुन राशि : आज के दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। बिना बताये आज कोई देनदार आपके अकाउंट में पैसे डाल सकता है जिसके बारे में जानकर आपको अचंभा भी होगा और खुशी भी। आपकी परेशानी आपके लिए ख़ासी बड़ी हो सकती है, लेकिन आस-पास के लोग आपके दर्द को नहीं समझेंगे। शायद उन्हें लगता हो कि इससे उन्हें कोई लेना-देना नहीं है।

कर्क राशि : आज कुछ तनाव और मतभेद आपको चिड़चिड़ा और बेचैन बना सकते हैं। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। अपने व्यक्तिगत जीवन से थोड़ा समय निकालकर दान-पुण्य के कामों में कुछ समय लगाएँ। इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी, लेकिन इसके लिए अपनी निजी ज़िंदगी को दरकिनार न करें।

सिंह राशि : आज अच्छी चीज़ों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग़ खुला रहेगा। व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। घर को सजाने-संवारने के अलावा बच्चों की ज़रूरतों पर भी ध्यान दें। बच्चों के बिना घर आत्मा के बिना शरीर की तरह है, फिर चाहे वह कितना भी ख़ूबसूरत क्यों न हो। बच्चे घर में उत्साह और ख़ुशीयों की सौगात लाते हैं।

कन्या राशिः आज किसी सज्जन पुरुष की दैवीय बातें आपको संतोष और ढांढस बंधाएंगी। आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुक़सान तक़रीबन पक्का है। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आपका प्रिय आपसे वादे की मांग करेगा, लेकिन ऐसा वादा न करें जिसे आप पूरा न कर सकें। अपनी कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए नयी तकनीकों का सहारा लें।

तुला राशिः आज आपका ग़ुस्सा राई का पहाड़ बना सकता है, जो आपके परिवार को नाराज़ कर सकता है। वे लोग ख़ुशक़िस्मत हैं जो अपने ग़ुस्से पर क़ाबू रख सकते हैं। इससे पहले कि आपका ग़ुस्सा आपको ख़त्म करे, आप उसे ख़त्म कर दें। अपने जीवनसाथी के साथ मिलकर आज आप भविष्य के लिए कोई आर्थिक योजना बना सकते हैं और उम्मीद है कि यह योजना सफल भी होगी। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज-मस्ती के लिए अच्छा है।

वृश्चिक राशिः आज दोस्तों का रुख़ सहयोगी रहेगा और वे आपको ख़ुश रखेंगे। ख़र्चों में वृद्धि होगी, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। बच्चे कोई रोमांचक समाचार ला सकते हैं। आपका प्यार न सिर्फ़ परवान चढ़ेगा, बल्कि नई ऊँचाइयों को भी छूएगा।

धनु राशिः आज गाड़ी चलाते समय सावधान रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। जब आपसे राय पूछी जाए तो संकोच न करें- क्योंकि इसके लिए आपकी काफ़ी तारीफ़ होगी।

मकर राशिः आज घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में वृद्धि कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। जिन लोगों ने किसी अनजान शख़्स की सलाह पर कहीं निवेश किया था आज उन्हें उस निवेश से फायदा होने की पूरी संभावना है।

कुंभ राशिःआज आपकी उम्मीद एक महक से भरे हुए ख़ूबसूरत फूल की तरह खिलेगी। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में शिरकत करें।

मीन राशिः आज एक ख़ुशनुमा दिन के लिए मानसिक तनाव और झंझटों से बचें। मनोरंजन और सौन्दर्य में इज़ाफ़े पर ज़रुरत से ज़्यादा वक़्त न ख़र्च करें। अपने सामाजिक जीवन को दरकिनार न करें। अपनी व्यस्त दिनचर्या में से थोड़ा-सा समय निकालकर अपने परिवार के साथ किसी आयोजन में भागीदारी करें।

“बच्चों को सिर्फ पढ़ाइए मत... उन्हें समझिए और समझाएं भी”

डॉ. निवेदिता शर्मा

एक मासूम चिट्ठी... और बहुत सारे अनसुने सवाल

भोपाल की 17 वर्षीय ओजस्वी ने जब ये शब्द “सॉरी मम्मी-पापा... मैं अच्छी बेटी नहीं बन सकी...” लिखे होंगे, तब शायद उसकी आंखों में आंसू रहे होंगे, मन में डर रहा होगा और दिल में एक ऐसा भाव, जिसे वह किसी से कह नहीं पाई!

सोचिए... एक बच्ची, जो अपने माता-पिता की दुनिया थी, जिसने बचपन से उनके स्नेह में पलकर सपने देखे, आखिर उसके मन में ऐसा कौन-सा तूफान उठा होगा कि उसे जीवन छोड़ देना आसान लगा? यह घटना सिर्फ भोपाल की नहीं है। यह हर उस घर की कहानी है जहां बच्चे मुस्कुराते तो हैं, किंतु भीतर से टूट रहे होते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कई बच्चों की चुप्पी दिखाई नहीं देती। आज जरूरत इस बात की है कि हम उनसे यह पूछें- “तुम ठीक तो हो ना?”

सच कहा जाए तो बच्चे कमजोर नहीं होते, बस अकेले पड़ जाते हैं, अक्सर हम बड़े लोग सोचते हैं कि बच्चों की जिंदगी में आखिर तनाव ही क्या है? ना कमाने की चिंता, ना घर चलाने की जिम्मेदारी, किंतु सच मानिए, आज का बच्चा भीतर से जितना दबाव झेल रहा है, शायद उतना पहले कभी नहीं था।उसके आसपास बनी मोबाइल और गेम की दुनिया ने जैसे उसके जीवंत संबंध ही उससे छीन लिए हैं। अधिकांश परिवार भी वो व्यावस्थी नहीं कर पा रहे जिसमें बच्चेज को मन और तन की सुदृढ़ता मिले।

आज 13 से 17 साल की उम्र में हर चौथा बच्चा डिप्रेशन जैसी मानसिक समस्या से गुजर रहा है। यह आंकड़ा डराता है। क्योंकि इसका मतलब है कि हमारे आसपास बैठे चार बच्चों में से एक बच्चा शायद हर रात अकेले रोता हो, हर दिन खुद को दूसरों से कम समझता हो या हर पल किसी डर में जी रहा हो। किशोरावस्था वह उम्र होती है जहां बच्चे खुद को साबित करने की कोशिश करते हैं। उन्हें लगता है कि यदि वे असफल हुए तो लोग उन्हें प्यार करना छोड़ देंगे। छोटी-सी डांट भी उन्हें यह महसूस करा सकती है कि वे “अच्छे बच्चे” नहीं हैं। यही वजह है कि कई बार हम जो बात गुस्से में कह देते हैं, वही बात बच्चे के दिल में तीर की तरह उतर जाती है। सोचिए... जब बच्चा उदास होकर कमरे में चला जाए, खाना छोड़ दे, कम बोलने लगे या अकेला रहने लगे, तब क्या हम उसके पास बैठते हैं? क्या हम उससे पूछते हैं; “क्या बात है बेटा? तुम परेशान लग रहे हो...” अक्सर हम कहते हैं, “इतनी-सी बात पर रोते हो?” “हमारे समय में ऐसा नहीं होता था।” “मोबाइल छोड़ो, सब ठीक हो जाएगा।” लेकिन सच यह है कि बच्चे समाधान से पहले अपनापन चाहते हैं। उन्हें सलाह से पहले सुनने वाला चाहिए।

नंबरों की दौड़ ने बचपन छीन लिया

आज हर बच्चा एक प्रतियोगिता में भाग रहा है। स्कूल की रैंक, कोचिंग का दबाव, प्रतियोगी परीक्षाएं, करियर की चिंता, ऐसा लगता है जैसे बच्चों को बचपन से ही यह समझा दिया गया हो कि जिंदगी एक रेस है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े बताते हैं कि पिछले कुछ वर्षों में छात्र आत्महत्या के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। मोबाइल के दौर में बच्चे सबसे ज्यादा अकेले हैं। घर में सब साथ बैठे होते हैं, लेकिन बातचीत गायब हो चुकी है। माता-पिता मोबाइल में व्यस्त हैं, बच्चे स्क्रीन में खोए हैं और भावनाएं धीरे-धीरे मौन होती जा रही हैं। सोशल मीडिया ने बच्चों को तुलना करना सिखा दिया है। कोई ज्यादा सुंदर दिखता है, कोई ज्यादा अमीर, कोई ज्यादा सफल। ऐसे में बच्चा अपने जीवन को कमतर समझने लगता है। ऐसे में कई बच्चे साइबर बुलिंग का शिकार होते हैं। कई बच्चों को बॉडी शेमिंग झेलनी पड़ती है, किंतु वे डर के कारण किसी से कुछ नहीं कहते। बच्चे बाहर से सामान्य दिखते हैं, लेकिन अंदर से बिखर चुके होते हैं। यही सबसे खतरनाक स्थिति है।

बच्चों को सलाह नहीं, भरोसा चाहिए

हर बच्चा चाहता है कि उसके जीवन में कोई ऐसा हो जिसके सामने वह बिना डरे रो सके। जब बच्चा गलती करे, तब उसे यह डर नहीं होना चाहिए कि अब मम्मी-पापा प्यार नहीं करेंगे। उसे यह भरोसा होना चाहिए कि डांट पड़ेगी, लेकिन साथ नहीं छूटेगा। बच्चों को यह मत सिखाइए कि “लोग क्या कहेंगे?” उन्हें यह सिखाइए कि “मुश्किल समय में बात करना कमजोरी नहीं, हिम्मत है।” यदि बच्चा उदास है, गुस्से में रहता है, अचानक चुप हो गया है या बार-बार खुद को बेकार कहता है, तो इसे नजरअंदाज मत कीजिए। यह मदद की पुकार हो सकती है।

माता-पिता भी थोड़ा रुककर खुद से सवाल करें

कभी-कभी हमें खुद से पूछना चाहिए कि क्या हमने अपने बच्चे को आखिरी बार बिना किसी कारण गले कब लगाया था? क्या हमने उसकी बातें बिना टोके सुनी थीं?क्या हमने कभी उससे कहा- “तुम जैसे भी हो, हमारे लिए बहुत खास हो...” बच्चों को महंगे स्कूल, कोचिंग और मोबाइल से ज्यादा जरूरत अपने माता-पिता के समय और स्नेह की होती है।

मानसिक स्वास्थ्य को समझना समय की मांग है

आज मानसिक स्वास्थ्य कोई “फैशन” या “बहाना” नहीं है। यह एक वास्तविक समस्या है। जैसे शरीर बीमार होता है, वैसे ही मन भी बीमार हो सकता है। यदि किसी बच्चे को बुखार हो तो हम तुरंत डॉक्टर के पास जाते हैं, किंतु जब बच्चा लगातार उदास रहता है, तब हम कहते हैं- “सब ठीक हो जाएगा...” नहीं, हर बार सब अपने आप ठीक नहीं होता। कई बार विशेषज्ञ की मदद जरूरी होती है। हमें बच्चों को यह समझाना होगा कि मदद मांगना कमजोरी नहीं है। रो लेना, अपनी परेशानी बताना और काउंसलर से बात करना बिल्कुल सामान्य बात है।

हमें कैसी पीढ़ी चाहिए?

हमें सिर्फ सफल बच्चे नहीं, खुश बच्चे चाहिए। ऐसे बच्चे जो अपने मन की बात कह सकें, जो असफलता से डरें नहीं और जिन्हें यह भरोसा हो कि उनका परिवार हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है। आज रात जब आपका बच्चा आपके सामने आए, तो उससे सिर्फ पढ़ाई की बात मत कीजिए। उसके सिर पर हाथ रखिए और पूछिए- “सच-सच बताना... तुम खुश तो हो ना?” क्योंकि कई बार एक संवेदनशील बातचीत वह कर जाती है, जो बड़ी-बड़ी सीख और डांट भी नहीं कर पाती।

फिर भी यदि कभी किसी बच्चे या युवा के मन में आत्महत्या का विचार आए, तो तुरंत सहायता लें। मध्यनप्रदेश में बाल अधिकार संरक्षण आयोग सीपीसीआर एक्टक 2007 के अंतर्गत बाल अधिकारों की सुरक्षा हेतु निरंतर आप बच्चों के हित, सर्वोच्च देखभाल और चिंता के लिए ही कार्यरत है। यदि कहीं भी लगता है, कुछ भी गलत हो रहा है, यदि कहीं अंदर अवसाद या नकारात्म कता स्वरयं पर हावी हो रही है तो बाल आयोग से सीधे संपर्क किया जा सकता है। प्रदेश में माननीय मुख्योमंत्री डॉ. मोहन यादवजी ने अनेक योजनाएं आज मप्र के बच्चोंत के हित में चलायी हुई हैं, बच्चों और उनके अभिभावक दोनों ही अपने अनुरूप उन योजनाओं का लाभ लेने आगे आ सकते हैं।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

स्मृति मंधाना की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

एजेंसी, चेल्म्सफोर्ड

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां इंग्लैंड को पहले टी20 मुकाबले को 38 रनों से हराकर चार मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। नियमिल कप्तान हरमनप्रीत कौर को आराम दिये जाने के कारण इस मैच में स्मृति मंधाना कप्तानी कर रहीं थीं पर वह बल्लेबाजी में विफल रहीं और अपना खाता भी नहीं खोल पायीं। मंधाना पहली ही गेंद पर पेवेलियन लौट गयीं।

मंधाना,इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल का शिकार बनी। गईं। मंधाना किसी टी20 क्रिकेटर अंतरराष्ट्रीय में मैच की पहली गेंद पर आउट होने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर हैं। मंधान के आउट होने के बाद युवा बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने 69 रन और यास्तिका भाटिया ने 54 रन बनाकर पारी संभाली। इससे भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 188 रन बनाये।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी। केवल विकेटकीपर-बल्लेबाज एमी जोन्स ने 67 रन बनाये पर अन्य बल्लेबाज असफल रहीं। भारतीय टीम की ओर से नंदनी शर्मा ने चार ओवर में केवल 34 रन देकर 3 विकेट लिए। इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर केवल 150 रन ही बना पायी और 38 रनों से हार गयी। मंधाना की कप्तानी मे भारतीय टीम की टी20 अंतरराष्ट्रीय में ये पहली जीत है।

आईपीएल फाइनल को देखते हुए हवाई टिकट के साथ ही होटल भी हुए महेंगे

एजेंसी, अहमदाबाद

आईपीएल के 19 सत्र का खिताबी मुकाबला रविवार को अहमदाबाद में खेला जाएगा। इस मुकाबले को लेकर प्रशंसकों में जबरदस्त आकर्षण है। फाइनल देखना हालांकि प्रशंसकों की जेब पर भारी पड़ेगा। फाइनल के लिए पहले ही मैच के लगभग सभी टिकट बिक चुके हैं। वहीं होटल की बुकिंग और हवाई किराए में भी भारी तेजी आयी है। प्रशंसक मैच में पहुंचने के लिए तीन से चार गुना ज्यादा किराया देने को भी तैयार दिख रहे हैं। इसी कारण दिल्ली-अहमदाबाद और बेंगलुरु-अहमदाबाद जैसे मुख्य रूटों पर हवाई किराए दोगुने हो गए हैं। मैच के समय के आस-पास की उड़ानों में प्रीमियम इकॉनमी और बिजनेस क्लास की सीटें कई रूटों पर पहले ही बिक चुकी हैं।

बेंगलुरु से कुछ उड़ानो का एक तरफ का किराया ही 22,800 रुपए से भी ज़्यादा हो गया है, जबकि आम तौर पर यह 6,000 से 8,000 रुपए के बीच रहता है। इसके अलावा अहमदाबाद और गांधीनगर के होटलों में भी भारी मांग देखने को मिल रही है। होटल के कमरों का किराया जो आम तौर पर 6,000 से 16,000 रुपए (टैक्स के अलावा) के बीच रहता है, भारी मांग के चलते बढ़ गया है। अधिकारियों ने बताया कि फाइनल मैच से दो दिन पहले ही गांधीनगर स्थित एक पंच सितारा होटलों में दाम कई गुना बढ़ गये हैं। ट्रैलव ऑपरेटर्स को यह भी उम्मीद है कि हवाई जहाज के टिकट महंगे होने या उपलब्ध न होने की वजह से सड़क के रास्ते आने वाले फैन्स की भारी भीड़ उमड़ेगी। मैच के तुरंत बाद वापसी की यात्रा की मांग आमतौर पर ट्रांसपोर्ट के खर्च को सामान्य रेट से लगभग डेढ़ गुना तक बढ़ा देती है। इस बीच आईपीएल फाइनल के टिकट, जिनकी शुरुआती कीमत ऊपरी-स्तरीय स्टैंड्स के लिए 2500 रुपए है और जो प्रेसिडेंट्स गैलरी के लिए 25000 रुएप तक जाती है, आधिकारिक वेबसाइट पर लगभग बिक चुके हैं। ऑनलाइन टिकट पाना अभी भी मुश्किल बना हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने विनेश को एशियन गेम्स के ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दी

एजेंसी, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने महिला पहलवान विनेश फोगाफ को राहत देते हुए एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी है। इससे पहले दिल्ली हाई कोर्ट ने भी विनेश के पक्ष में फैसला सुनाया था पर रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यूएफआई) उसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गयी थी। इस मामले में शुक्रवार को हुई सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई की याचिका को खारिज करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। ऐसे में अब विनेश के गेम्स 2026 के ट्रायल्स में भाग लेने का रास्ता साफ हो गया है। अदालत ने कहा कि विनेश ने देश का सिर ऊंचा किया है। साथ ही कहा, अगर कोई और होता तो बात दूसरी होती। उसने देश को गर्व कराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि इस पूरे मामले में हाई कोर्ट ने जिस तरह सुनवाई की, उस पर चिंता भी जताई पर उनके आदेश में हस्तपेक्ष से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि हाई कोर्ट ने जिस तरीके से इस मामले की सुनवाई की, वह ठीक नहीं है। अदालत ने चेताया कि खेल प्रशासन में अदालतों की जरूरत से ज्यादा दखलअंदाजी से स्पोर्टिंग इकोसिस्टम पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। इससे पहले 22 मई को दिल्ली हाई कोर्ट की एक बेंच ने विनेश फोगाट को एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेने की अनुमति दे दी थी। अपने फैसले में हाई कोर्ट ने डब्ल्यूएफआई को फटकार लगाते हुए कहा था कि फेडरेशन की चयन नीति भेदभावपूर्ण थी क्योंकि मातृत्व अवकाश के बाद वापसी करने वाली उनकी नीति में दिग्गज खिलाड़ी पर विचार करने का उसमें कोई अधिकार नहीं था।

आईसीसी ने महिला टी20 विश्व के लिए मैच अधिकारी घोषित किये

एजेंसी, दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अगले माह जून में होने वाले महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा कर दी है। इसके लिए घोषित सभी मैच अधिकारी महिलाएं हैं। यह लगातार तीसरा अवसर है जब टूर्नामेंट में पूरी तरह से महिला मैच अधिकारियों को रखा गया है। इस पैनल में चार अधिकारी कैंडेस ला बोर्डे, गायत्री वेणुगोपालन, केरिन क्लास्टे और शतिरा जाकिर जेसी हो पहली बार पैनल में शामिल किया गया है। यह टूर्नामेंट 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी संजोग गुप्ता ने बताया कि महिला मैच अधिकारियों यह पैनल खेल के सभी पहलुओं में प्रतिनिधित्व बढ़ाने और महिला अधिकारियों की प्रगति के प्रति आईसीसी की प्रतिबद्धता को दिखाता है। इसमें 33 मैचों के लिए कुल 14 अंपायर और चार मैच रेफरी रखे गये हैं। जिनमें से 9 अधिकारी 2024 एडिशन से वापस लौटेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अधिकारी क्लेयर पोलोसाक सबसे अनुभवी हैं, जो अपनी छठी उपस्थिति दर्ज करेंगी और उन्होंने पहले 22 मैचों में अंपायरिंग की है। वहीं जैकलीन विलियम्स और किम कॉटन भी 19-19 मैचों के अनुभव के साथ पांच टी20 विश्व कप के मील के पत्थर तक पहुंचेंगी।

आईपीएल में वैभव के निशाने पर अब गेल के दो बड़े रिकार्ड

एजेंसी, मुम्बई

आईपीएल के इस सत्र में राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए कई रिकार्ड बनाये हैं। एलीमिनेटर मुकाबले में वैभव ने तूफानी पारी खेलते हुए विस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल का एक सत्र में सबसे अधिक छक्के मारने का रिकार्ड तोड़ा था। वहीं वैभव के निशान पर अब गेल के दो अन्य रिकार्ड हैं जिन्हें वह तोड़ सकते हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ एलिमिनेटर मुकाबले में वैभव ने केव 29 गेंदों पर 97 रनों की तूफानी पारी थी। अब राजस्थान रॉयल्स क्वालीफायर 2 में आज गुजरात टाइटंस का सामना करेगा। इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल के दो बड़े रिकॉर्ड होंगे, जिन्हें तोड़ने के लिए वह पूरी तरह से कमर कस चुके हैं। वैभव ने एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने के क्रिस गेल (59 छक्के) के रिकॉर्ड को तोड़ दिय है। वह एक आईपीएल सत्र 600 रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज भी बन गए हैं। इसके अलावा, उन्होंने एक ही सत्र में तीन ऐसी पारियां खेली हैं, जिनमें 10 या उससे अधिक छक्के लगाए गए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। अब वह गेल के सबसे तेज शतक के रिकार्ड के अलावा गेल के आईपीएल में बनाए गए सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर 175 रनों के रिकार्ड को भी तोड़ने का प्रयास करेंगे। गेल के नाम केवल 30 गेंदों में सबसे तेज शतक का रिकार्ड है।

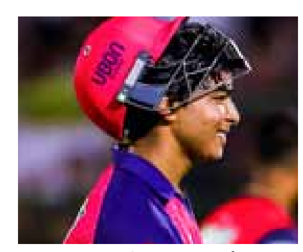

बिजनेस

स्टॉक मार्केट में बायो मेडिका की जोरदार गिरावट के साथ एंट्री, डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

फार्मास्यूटिकल सेक्टर की कंपनी बायो मेडिका लेबोरेट्रीज ने आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 139 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 20 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 111.20 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण कंपनी के शेयर थोड़ी देर में ही गिर कर 105.65 रुपये के लोअर सर्किट लेवल पर आ गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 33.35 रुपये यानी 23.99 प्रतिशत का बड़ा नुकसान हो गया। बायो मेडिका लेबोरेट्रीज का 52.43 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 25 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 2.26 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 15.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं, नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 1.30 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.92 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 37.32 लाख शेयर जारी किए गए हैं। इनमें लगभग 45 करोड़ रुपये के 32.06 लाख नए शेयर और लगभग पांच करोड़ रुपये के 3.77 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। इसके अलावा मार्केट मेकर को तीन करोड़ रुपये 1.89 लाख नए शेयर दिए गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, पुराने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में मामूली उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूत रही है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 33 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.50 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 9.79 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 30 नवंबर 2025 तक कंपनी को 8.66 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था।

इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में उतार-चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 16.25 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 15.34 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 38.33 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 30 नवंबर 2025 तक कंपनी को 28.63 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

इस अवधि में कंपनी के कर्ज में लगातार बढ़ोतरी होती रही। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 9.61 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 10.49 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 15.01 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 30 नवंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ 38.17 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया था।

रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.9 फीसदी जीडीपी ग्रोथ का जताया अनुमान

- आरबीआई ने कहा, चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत

एजेंसी, नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी संकट और बढ़ते हुए वैश्विक तनाव के बीच रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ग्रोथ 6.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया है। आरबीआई ने शुक्रवार को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में कहा है कि भारतीय अर्थव्यवस्था चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद मजबूत बनी हुई है और मजबूत वृहद आर्थिक आधार चालू वित्त वर्ष 2026-27 में वृद्धि को सहारा देंगे। रिपोर्ट के मुताबिक ऊंची ऊर्जा कीमतों, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाओं और वैश्विक बाजारों से आने वाली चुनौतियों के बावजूद कंपनियों एवं बैंकिंग क्षेत्र के मजबूत बही-खाते तथा सरकार का पूंजीगत व्यय पर जोर भारत की मजबूत वृद्धि गति के लिए अनुकूल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अपनी मजबूत घरेलू बुनियादी ढांचे के दम पर भारत आर्थिक विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ता रहेगा। आरबीआई रिपोर्ट में कहा गया है कि 2026 में भू-राजनीतिक जोखिम वैश्विक वृद्धि के लिए प्रमुख बाधा बनकर उभरा है। फरवरी के अंत में पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने का असर वैश्विक वृद्धि और मुद्रास्फीति के अनुमानों में दिख रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक मध्यम वैश्विक वृद्धि के परिदृश्य के बीच वित्त वर्ष 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण सकारात्मक बना हुआ है। हालांकि, पश्चिम एशिया में लंबा खिंचने वाला संघर्ष नकारात्मक जोखिम पैदा कर सकता है। रिपोर्ट के अनुसार भारत वित्त वर्ष 2025-26 में 7.6 फीसदी की वृद्धि दर से बढ़ते हुए प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह वृद्धि दर 7.1 फीसदी थी। यह मजबूत घरेलू मांग, निरंतर निवेश, सक्रिय नीतिगत पहल और ठोस व्यापक आर्थिक आधार से समर्थित रही। इस रिपोर्ट में इसमें कहा गया कि प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ विभिन्न व्यापार समझौतों का क्रियान्वयन भारत की वृद्धि को और गति देगा। इस रिपोर्ट में कहा गया कि मौजूदा भू-राजनीतिक तनाव प्रमुख कच्चे माल, विशेषकर उर्वरकों की उपलब्धता और कीमतों पर दबाव डाल सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्त वर्ष 2026-27 में कृषि क्षेत्र का परिदृश्य दक्षिण-पश्चिम मानसून की प्रगति एवं वितरण पर निर्भर करेगा। रिपोर्ट के मुताबिक पर्याप्त खाद्यान्न भंडार, जलाशयों में पर्याप्त जल स्तर और स्थिर कृषि संभावनाओं से 2026-27 में मुद्रास्फीति के तय लक्ष्य के अनुरूप रहने की संभावना है, भले ही अल नीनो की स्थिति और सामान्य से अधिक गर्मी हो। केंद्र सरकार ने आरबीआई के साथ परामर्श से एक अप्रैल, 2026 से 31 मार्च, 2031 की अवधि के लिए दो फीसदी घट-बढ़ के साथ महंगाई की दर (मुद्रास्फीति) के लिए चार फीसदी का लक्ष्य बरकरार रखा है। रिजर्व बैंक की रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि आरबीआई केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) के परीक्षणात्मक उपयोग का विस्तार करने की योजना बना रहा है, ताकि इसे डीबीटी योजनाओं और घरेलू खुदरा क्षेत्र में नए उपयोगों तक पहुंचाया जा सके। इसके साथ ही वित्तीय परिसंपत्तियों के 'टोकनाइजेशन' और अधिक प्रतिभागियों को शामिल करने के लिए अतिरिक्त परीक्षणात्मक परियोजनाओं पर भी विचार किया जा रहा है।

क्यू-लाइन बायोटेक की स्टॉक मार्केट में धमाकेदार शुरुआत, मुनाफे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

हेल्थकेयर सेक्टर में डायग्नोस्टिक इक्विपमेंट्स का निर्माण करने वाली कंपनी क्यू-लाइन बायोटेक ने आज स्टॉक मार्केट में धमाकेदार एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 343 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 32 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 452 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद शेयरों की खरीद-बिक्री शुरू हो गई। खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर ये शेयर 460 रुपये तक उछला, वहीं बिक्री का दबाव बनने पर ये लुढ़क कर 431 रुपये के स्तर तक भी आया। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच दोपहर 12 बजे तक का कारोबार होने के बाद कंपनी के शेयर 446.80 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 103.80 रुपये यानी 30.26 प्रतिशत का फायदा हो गया था। क्यू-लाइन बायोटेक का 214.48 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 25 मई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 102.42 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 123.94 गुना सब्सक्राइब हुआ था। वहीं नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 145.98 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 71.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 62,53,200 नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने कर्ज को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

सर्राफा बाजार में जोरदार गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर हिस्सों में आज शुरुआती कारोबार के दौरान ये चमकीली धातु आज 2,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 2,230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। वहीं, चेन्नई में सोने की कीमत में शुरुआती कारोबार के दौरान 1,500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,640 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है। सोना की तरह चांदी भी आज 10 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 1,56,050 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,58,170 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं, 22 कैरेट सोना आज 1,43,040 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,44,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। इसी तरह, चांदी के भाव में आग कमजोरी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,74,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,56,200 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,190 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

भारत-कनाडा ने आर्थिक साझेदारी मजबूत करने को शुरू किया व्यापार एवं निवेश मंच

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत और कनाडा ने व्यापारिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापार एवं निवेश मंच की शुरुआत की है। इसका उद्देश्य दोनों देशों के व्यवसायों को एक साथ लाना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की तीन दिवसीय (25-27 मई) आधिकारिक यात्रा के समापन के बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को बताया गया है कि कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को मजबूत करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, ताकि दोनों देशों में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और व्यवसायों के लिए कारोबारी अवसरों को बढ़ाने वाले मजबूत परिणाम प्राप्त किए जा सकें। मंत्रालय के अनुसार कनाडा-भारत व्यापार एवं निवेश मंच के तहत दोनों ही पक्षों ने एक महत्वाकांक्षी एवं परस्पर लाभकारी व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई और इस वर्ष के अंत तक वार्ता पूरी करने के साझा लक्ष्य की पुष्टि की। दोनों देशों ने भारत और कनाडा के बीच संपर्क बढ़ाने पर भी सहमति जताई है। इसमें लोगों के बीच संपर्क, व्यापारिक सुगमता और प्रत्यक्ष वाणिज्यिक संबंध शामिल हैं, जिन्हें व्यापार एवं निवेश के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण कारक माना गया है। कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनींदर सिद्धू सिद्धू ने पुष्टि की कि कनाडा इस वर्ष के अंत में 'टीम कनाडा ट्रेड मिशन' का प्रतिनिधिमंडल भारत भेजेगा। पीयूष गोयल के नेतृत्व में 150 से अधिक सदस्यों का व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल 25 से 27 मई के दौरान कनाडा गया था। इस दौरान उन्होंने व्यापार जगत के कई दिग्गजों के साथ बैठकें कीं और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनींदर सिद्धू के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी की।

अदालत का उद्देश्य जानवरों को निर्ममता से हटाना नहीं: सोनम बाजवा

पंजाबी फिल्मों की लोकप्रिय अभिनेत्री सोनम बाजवा ने आवारा कुत्तों से जुड़े संवेदनशील मुद्दे पर मुख्यमंत्री भगवंत मान से भावुक अपील की है। सोशल मीडिया पर लंबा पोस्ट साझा करते हुए सोनम बाजवा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने स्ट्रे डॉग्स को बड़े पैमाने पर सड़कों से हटाने या खत्म करने का कोई सीधा आदेश नहीं दिया है। उन्होंने सरकार से इस मामले में दया, संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की मांग की। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में सोनम बाजवा ने लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने केवल संवेदनशील सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को नियंत्रित तरीके से हटाने की बात कही है, जिसमें नसबंदी, टीकाकरण और शेल्टरिंग जैसे वैज्ञानिक और मानवीय उपाय शामिल हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत का उद्देश्य जानवरों को निर्ममता से हटाना नहीं, बल्कि समस्या का संतुलित समाधान निकालना है। अभिनेत्री ने राज्य की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर पर्याप्त शेल्टर और बुनियादी सुविधाएं कहां हैं। उन्होंने कहा कि जब तक आवारा जानवरों के लिए सही इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार नहीं किया जाता, तब तक उन्हें सड़कों से हटाने का फैसला बेजुबान जानवरों के लिए सजा जैसा साबित हो सकता है। सोनम ने कहा कि इंसानों की सुरक्षा निश्चित रूप से जरूरी है, लेकिन इसके साथ दया और जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान से अनुरोध किया कि इस पूरे मुद्दे पर दोबारा गंभीरता से विचार किया जाए और ऐसा समाधान निकाला जाए जो इंसानियत और संवेदनशीलता दोनों को साथ लेकर चले। सोनम ने सुझाव दिया कि सरकार को पशु कल्याण से जुड़े एनजीओ, पशु चिकित्सकों, स्थानीय प्रशासन और पब्लिक सेफ्टी एक्सपर्ट्स को साथ बैठाकर एक व्यावहारिक और मानवीय नीति तैयार करनी चाहिए। अपने पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा कि हम बेजुबानों के साथ जैसा व्यवहार करते हैं, वही यह तय करता है कि एक समाज के तौर पर हमारी पहचान क्या है। उनकी यह पंक्ति सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है और कई लोग उनकी बात का समर्थन करते नजर आ रहे हैं। दरअसल, हाल ही में स्ट्रे डॉग्स से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए सार्वजनिक स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाने संबंधी निर्देशों को बरकरार रखा था। अदालत ने कहा था कि पशु जन्म नियंत्रण यानी एबीसी कार्यक्रम को प्रभावी तरीके से लागू नहीं किए जाने के कारण यह समस्या लगातार बढ़ रही है। कोर्ट ने राज्य सरकारों को निर्देश दिया था कि वे नसबंदी और टीकाकरण जैसे उपायों को सख्ती से लागू करें।

सान्या मल्होत्रा ने 'सुंदर पूनम' के सेट से साझा किए यादगार पल

बॉलीवुड अभिनेत्री सान्या मल्होत्रा इन दिनों अपनी आगामी रोमांटिक थ्रिलर फिल्म सुंदर पूनम को लेकर लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है और हाल ही में अभिनेत्री ने इसका जोधपुर शेड्यूल पूरा कर लिया है। इस खास मौके की जानकारी सान्या ने सोशल मीडिया के जरिए अपने प्रशंसकों के साथ साझा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें फिल्म की पूरी टीम जोधपुर को अलविदा कहती नजर आ रही है। सान्या द्वारा शेयर किए गए वीडियो में शूटिंग के दौरान के कई खास और मजेदार पल दिखाई दिए। वीडियो में कलाकारों और क्रू मेंबर्स को एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक करते, शूटिंग के बीच मस्ती करते और यादगार समय बिताते देखा जा सकता है। वीडियो में जोधपुर की खूबसूरत लोकेशंस की झलक भी दिखाई गई, जिसने सोशल मीडिया यूजर्स का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। शूटिंग खत्म होने के बाद टीम के चेहरों पर खुशी और संतोष साफ नजर आ रहा था। अभिनेत्री ने इसके अलावा अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक छोटा वीडियो भी साझा किया। इस वीडियो में वह फ्लाइट में बैठी कैमरे की ओर मुस्कुराती दिखाई दीं। इसके जरिए उन्होंने इशारा किया कि फिल्म की टीम अब अगले शूटिंग शेड्यूल के लिए किसी नई लोकेशन की ओर रवाना हो चुकी है। हालांकि उन्होंने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि अगली शूटिंग किस शहर या जगह पर होगी।

फिल्म सुंदर पूनम का निर्देशन पुलकित कर रहे हैं। इस फिल्म में आदित्य रावल भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी वर्ष 2025 में सामने आए चर्चित हनीमून मर्डर केस से प्रेरित है। इस घटना में इंदौर के एक कारोबारी की मेघालय यात्रा के दौरान हत्या कर दी गई थी। हालांकि मेकर्स ने अभी फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है, लेकिन इसे रोमांस, सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर फिल्म माना जा रहा है। सान्या मल्होत्रा के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही फिल्म बंदर में भी दिखाई देंगी। इस फिल्म में उनके साथ बॉबी देओल मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। लगातार अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में काम कर रहीं सान्या इन दिनों बॉलीवुड की सबसे व्यस्त अभिनेत्रियों में शुमार की जा रही हैं और उनके प्रशंसक उनकी आने वाली फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी सेवन एंड ए हाफ डेट्स

म्यूजिकल मिनी सीरीज सेवन एंड ए हाफ डेट्स इन दिनों दर्शकों और समीक्षकों के बीच काफी चर्चा का विषय बनी हुई है। डिजिटल मनोरंजन की दुनिया में एक नए आयाम स्थापित करती यह श्रृंखला रोमांस, गहरी भावनाओं और संगीत को इस तरह से एक साथ पिरोती है, जिससे दर्शकों को एक अनूठा और अविस्मरणीय अनुभव प्राप्त होता है। सीरीज में संगीत को केवल पार्श्व में बजने वाले गीतों के रूप में नहीं, बल्कि कहानी और किरदारों के भावनात्मक सफर के एक अभिन्न अंग के रूप में प्रस्तुत किया गया है। हर गाना कहानी के मोड़, पात्रों की आंतरिक उथल-पुथल और उनके रिश्तों की गहराई को आगे बढ़ाने का काम करता है। इसी विशेष सीरीज में प्यार मेरा नामक एक गीत को लोकप्रिय प्लेबैक सिंगर असीस कौर ने अपनी भावपूर्ण आवाज दी है। असीस कौर ने इस गीत के बारे में बात करते हुए कहा, यह गाना इंसानी रिश्तों की उस नर्मी, भावनात्मक कमजोरी और दिल के जुड़ाव को बहुत खूबसूरती से दर्शाता है, जहाँ एक व्यक्ति खुद को अपने साथी के सामने पूरी तरह खोल देता है। इसमें प्यार के उस अनमोल एहसास को पकड़ने की कोशिश की गई है, जहाँ दिल से दिल का रिश्ता इतना गहरा हो जाता है कि सब कुछ स्पष्ट हो जाता है। असीस कौर ने इस मिनी सीरीज का हिस्सा बनने को अपने लिए एक बेहद खास अनुभव बताया।

उन्होंने कहा, इस प्रोजेक्ट में म्यूजिक और कहानी को जिस तरीके से जोड़ा गया है, वह वास्तव में काफी अलग और अभिनव है। आमतौर पर फिल्मों और सीरीज में गाने कहानी के बीच आते हैं, लेकिन सेवन एंड ए हाफ डेट्स में म्यूजिक खुद कहानी का हिस्सा बन गया है, जो कथा को आगे बढ़ाता है और भावनाओं को और भी प्रबल बनाता है।

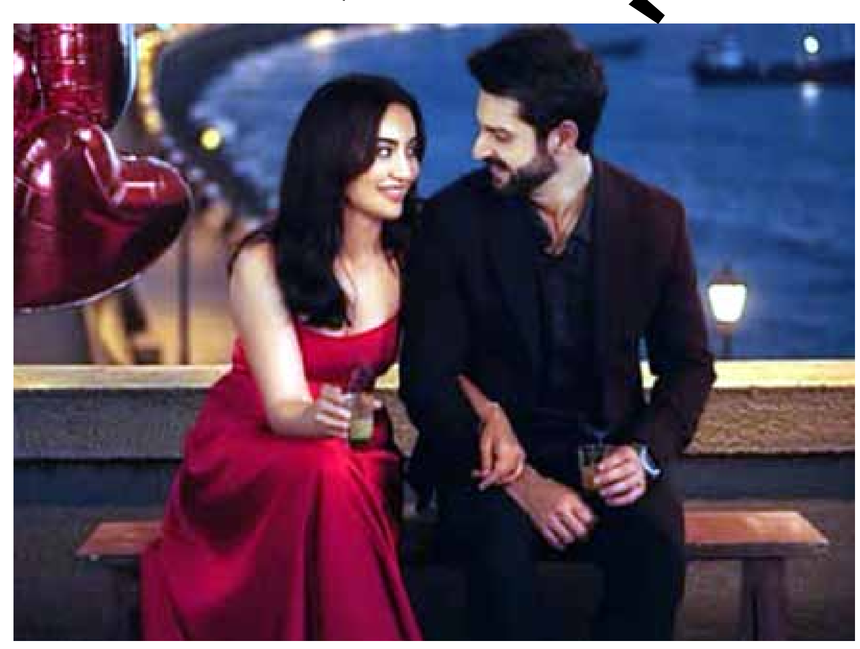

प्यार मेरा केवल एक रोमांटिक गाना नहीं है, बल्कि यह दो लोगों के रिश्ते की भावनात्मक गहराई और उनके अटूट बंधन को समझाने का एक सुंदर जरिया भी है। प्यार मेरा गाने को असीस कौर ने गोल्डी सोहेल के साथ मिलकर गाया है, जिसने गाने में एक अलग ही रंग भर दिया है। इस मिनी सीरीज में टेलीविजन और ओटीटी के जाने-माने चेहरे करण वाही और सुरभि ज्योति मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, जिनकी केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आने की उम्मीद है।

यह मिनी सीरीज कुल आठ एपिसोड में यूट्यूब पर रिलीज होगी, जिससे यह दुनिया भर के दर्शकों के लिए आसानी से उपलब्ध हो सकेगी। इसकी कहानी दो ऐसे लोगों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो रिश्तों की उलझनों, भावनाओं के ज्वार-भाटे, दिल टूटने के दर्द, भरोसे की कसौटी और खुद को दोबारा संभालने जैसी जटिल परिस्थितियों से गुजरते हैं। यह एक भावनात्मक रोलरकोस्टर राइड होगी जो दर्शकों को बांधे रखेगी। इस प्रोजेक्ट के गानों में कई और प्रतिभाशाली कलाकारों ने भी अपनी आवाज दी है, जिससे संगीत की विविधता और गुणवत्ता और भी बढ़ गई है। दुनिया और चांदनी रात जैसे खूबसूरत गाने हंसिका पारीक ने गाए हैं, जबकि ढोलना को गोल्डी सोहल ने अपनी मनमोहक आवाज दी है।

अभिनेता सलमान का इंस्टाग्राम प्रोफाइल अचानक हुआ गायब, फैंस में फैली चिंता

अभिनेता सलमान खान एक बार फिर सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गए हैं। सलमान खान का इंस्टाग्राम प्रोफाइल कुछ समय के लिए अचानक गायब हो गया, जिसके बाद उनके फैंस के बीच हलचल मच गई। लोग लगातार सोशल मीडिया पर यह जानने की कोशिश करते रहे कि आखिर अभिनेता का अकाउंट अचानक डीएक्टिवेट कैसे हो गया। जब भी इस अप्रत्याशित घटना से कई लोगों को लगा कि शायद अभिनेता ने खुद ही अपना अकाउंट बंद कर दिया है, जिससे फैंस में चिंता और निराशा का माहौल बन गया। हालांकि, थोड़ी देर बाद उनकी प्रोफाइल पहले की तरह ही सक्रिय दिखाई देने लगी, जिससे सभी ने राहत की सांस ली। अब तक यह साफ नहीं हो पाया है कि यह तकनीकी खराबी थी, अकाउंट को जानबूझकर थोड़ी देर के लिए बंद किया गया था, या फिर किसी ने उनके अकाउंट को हैक करने की कोशिश की थी। इस पूरे मामले में सलमान खान या उनकी टीम की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, जिससे रहस्य और अटकलें बरकरार हैं। लेकिन, सोशल मीडिया पर फैंस और यूजर्स इस घटना को लेकर कई तरह की बातें कर रहे हैं और अपनी-अपनी राय व्यक्त कर रहे हैं।

यह बताना आवश्यक है कि सलमान खान सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और अपने फैंस से जुड़े रहने का प्रयास करते हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी काफी बड़ी फैन फॉलोइंग है, जो उन्हें बॉलीवुड के सबसे प्रभावशाली सोशल मीडिया सितारों में से एक बनाती है। उनके 72 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जो उनकी हर पोस्ट और अपडेट का बेसब्री से इंतजार करते हैं। सलमान अक्सर अपने काम, फिल्मों, फिटनेस रूटीन और कभी-कभी निजी जिंदगी से जुड़ी बातें सोशल मीडिया के जरिए साझा करते रहते हैं। यह पूरा मामला ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही सलमान खान ने मीडिया और फोटोग्राफर्स पर अपनी नाराजगी जाहिर की थी। यह घटना तब हुई जब सलमान खान हिंदुजा अस्पताल पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें देखकर पैपराजी ने उनकी अपकमिंग फिल्म मातृभूमि चिल्लाना शुरू कर दिया। इस अचानक शोरगुल से सलमान भड़क गए और उन्होंने अपनी नाराजगी खुले तौर पर जताई। उन्होंने पैपराजी को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए खरी-खोटी भी सुनाई थी। उन्होंने अपने पोस्ट में कहा था, 60 साल का हो गया हूं, लेकिन लड़ना नहीं भूला। ये याद रख लेना, जेल में डालोगे।

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति की पोस्ट ने किया उनकी नई लाइफ स्टाइल की ओर इशारा

बॉलीवुड अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने एक खास पोस्ट से लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। उन्होंने अपने घर के बने हेल्दी खाने की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें भारतीय स्वाद और सेहत दोनों की झलक साफ दिखाई दी, और जिसने उनके नए लाइफस्टाइल की ओर इशारा किया। परिणीति चोपड़ा ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें देसी जायके से भरपूर लिट्टी चोखा की प्लेट नजर आ रही थी। प्लेट में सुनहरी लिट्टियां करीने से रखी हुई थीं और साथ में एक कटोरी में आलू और बैंगन से बना स्वादिष्ट चोखा भी रखा दिखाई दे रहा था। इस पोस्ट ने उनके फैंस और फूड लवर्स का तुरंत ध्यान खींचा। इस

पोस्ट के साथ परिणीति ने कैप्शन में लिखा, यह लिट्टी चोखा घर पर बनाया गया है और इसे हेल्दी बनाने के लिए खास ध्यान रखा गया है। लिट्टी ज्वार के आटे से तैयार की गई है, जिसमें सत्तू की भरपूर स्टफिंग डाली गई है, जो इसे प्रोटीन और फाइबर से भरपूर बनाती है। साइड डिश के रूप में आलू और बैंगन का चोखा बनाया गया है, जिसमें कम तेल और मसालों का इस्तेमाल किया गया है। यह पोस्ट दर्शाता है कि वे अपने पारंपरिक व्यंजनों को भी स्वास्थ्यवर्धक तरीके से अपना रही हैं। बता दें कि हाल ही में मां बनने के बाद से परिणीति चोपड़ा अपनी सेहत और खानपान पर पहले से ज्यादा ध्यान देने लगी हैं। मातृत्व के बाद शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना एक आम बात है, और परिणीति का यह पोस्ट इसी बदलाव की ओर इशारा करता है। उनके फैंस इस बात की सराहना कर रहे हैं कि वे अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहतमंद जीवनशैली अपना रही हैं। इस पोस्ट के अलावा, परिणीति ने एक अन्य पोस्ट भी साझा किया, जिसमें वह ब्राउन कलर की स्टाइलिश आउटफिट में बेहद खूबसूरत नजर आ रही थीं। उन्होंने अपने बालों को खुला रखा था, जो उनके लुक को और भी आकर्षक बना रहा था। वह एक मेकअप रूम में खड़ी थीं, जिसके बैकग्राउंड में मिरर और कुछ कपड़े नजर आ रहे थे, जो उनके काम के व्यस्त माहौल को दर्शाता है। इस पोस्ट के कैप्शन में परिणीति ने लिखा, पीछे मेस, आगे ड्रेस इस कैप्शन का कोई मतलब है??? उनका यह मजाकिया अंदाज भी फैंस को खूब पसंद आया, जिसने उनके व्यक्तित्व की एक और झलक पेश की। निजी जीवन की बात करें तो परिणीति चोपड़ा की शादी युवा नेता राघव चड्ढा से हुई है। दोनों ने सितंबर 2023 में राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर में एक निजी, लेकिन बेहद भव्य समारोह में शादी की थी। इस शादी में केवल करीबी परिवार के सदस्य और चुनिंदा दोस्त शामिल हुए थे, लेकिन इसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे, जिसने उनकी खुशहाल नई जिंदगी की शुरुआत को दर्शाया।

'रफ्तार' अब दशहरा वीकेंड पर रिलीज होगी सिनेमाघरों में

अब दशहरा वीकेंड पर रिलीज होगी सिनेमाघरों में

बॉलीवुड की अपकमिंग फिल्म रफ्तार को लेकर अभिनेता राजकुमार राव और उनकी पत्नी पत्रलेखा लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। यह फिल्म जुलाई में रिलीज होने वाली थी, परंतु कतिपय कारणों से इसे टालना पड गया है। अब इसकी नई रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। अब यह फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को दशहरा वीकेंड पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी, जिससे इसके बड़े बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन की उम्मीद जताई जा रही है। सोशल मीडिया पर दोनों ने बेहद भावुक अंदाज में इसकी जानकारी साझा की, जिसने फैंस का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लिया। राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक संयुक्त पोस्ट शेयर करते हुए बताया

कि 'रफ्तार' उनके लिए सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक बेहद खास सपना है। पोस्ट में फिल्म का नाम बड़े अक्षरों में लिखा गया था और उसके साथ दोनों ने एक लंबा भावनात्मक संदेश भी साझा किया।

उन्होंने लिखा कि सपनों को पूरा होने में समय लगता है और उन्हें सही तरीके से दर्शकों के सामने लाने के लिए धैर्य और मेहनत दोनों जरूरी होते हैं। पोस्ट में उन्होंने कहा कि 'रफ्तार' उनके संघर्ष, विश्वास और वर्षों की मेहनत का परिणाम है। इसी वजह से उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला लिया ताकि इसे बेहतर तरीके से तैयार किया जा सके। दोनों कलाकारों ने यह भी कहा कि यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि उन लोगों की कहानी है जो अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार संघर्ष करते रहते हैं।

IIC Quarterly issue on syncretic traditions explores India's pluralism amid global polarisation

New Delhi, Agency: Titled "Syncretic Traditions of the Indian Subcontinent: Varied Voices", the special issue was released on Tuesday evening at the Kamaladevi Complex of the India International Centre in the presence of historians, academics, diplomats and public intellectuals.

The volume was released by Karan Singh, Chairman, IIC Editorial Board, and former Jammu and Kashmir Governor, who described the theme as "extremely important in this day and age", pointing to what he called the "fracturing and fragmenting of consciousness" across societies worldwide.

Drawing from the shared cultural histories of India, Pakistan and Bangladesh, Singh said the subcontinent's diversity had historically produced traditions where religions and cultures not only coexisted but deeply interacted with one another.

"Every state has a different language, cuisine, music and style of living. In this extraordinary diversity, it is important to preserve the syncretic traditions that evolved through centuries of interaction," he said.

Recalling examples from his home region of Kashmir, Singh spoke of the influence of the Rishi and Sufi traditions and described a cultural atmosphere where people visited shrines and places of worship across faiths with equal reverence. "We have once seen what division on the basis of religion has done to the subcontinent. We simply cannot afford it again," he said, warning against the growing divisions among communities.

Singh also linked the discussion to contemporary global conflicts, referring to wars across different regions and expressing concern over what he described as the "drying up of wells of sympathy" in public consciousness. Referring to the humanitarian crisis in Palestine, he said voices advocating healing and reconciliation appeared increasingly absent in today's world.

The thematic issue was conceptualised nearly a year ago by the IIC editorial board. Speaking at the event, Shyam Saran, president of the IIC, said the theme had been proposed by Singh in view of growing societal turmoil and polarisation globally.

MCD removes mandatory inspection for regularisation of buildings up to 105 sqm in Delhi

New Delhi, Agency: Property owners in Delhi with buildings up to 105 square metres will no longer have to undergo mandatory physical inspection by MCD engineers for regularisation, with the civic body shifting the entire process online in a move aimed at reducing delays and simplifying approvals.

The decision is expected to benefit thousands of residents who often faced procedural hurdles and long waits in getting smaller residential buildings regularised.

According to mayor Pravesh Wahi, the move will help clear pending cases faster while making the system more transparent and citizen-friendly. He explained that to remove obstacles in the regularisation process for buildings up to 105 square metres (127 square yards), the mandatory physical inspection by an engineer has now been abolished.

"Under the new system, the entire process will now be completed online. The building owner will only need to submit an undertaking certified by an authorised architect and deposit the prescribed fee. Thereafter, MCD will complete the regularisation process within the stipulated timeframe," Wahi added.

Govt renames Britannia chowk, several metro stations

New Delhi, Agency: Delhi govt has approved renaming several metro stations, public landmarks and institutions across the capital to honour prominent personalities and strengthen local identity.

The decisions were cleared by the State Names Authority (SNA), chaired by chief minister Rekha Gupta, with senior officials from the urban development department, DMRC and DDA present.

Britannia Chowk in Shakurpur will be renamed 'Ashwini Chopra (Minna) Chowk' after the noted journalist, while an under-construction hospital in Jwalapuri will be named 'Baba Ramdevji Maharaj Hospital' after the 14th-century spiritual guru.

Among metro stations, Rohini West will be renamed 'Dr Baba Saheb Ambedkar Hospital Metro Station', Rohini East will become 'Rohini Metro Station' for clearer identification, and Dwarka Metro Station will be renamed 'Dwarka-Kakrola'.

The SNA also approved naming the new sports complex in Begampur, Rohini Sector-33, as 'Atal Khel Parisar', with a statue of former prime minister Atal Bihari Vajpayee to be installed there.

Officials said the move aims to strengthen public memory and connect citizens, especially younger generations, with notable figures and places.

"Honouring those who contributed to public life remains a priority, helping preserve our history and heritage," the CM said, adding the govt is committed to both infrastructural and cultural development.

Explained: The TCAS technology that makes planes 'talk to each other' - and why Air India flight had to turn back

New Delhi, Agency: An Air India flight bound for San Francisco was forced to return to Delhi on Wednesday after flying for nearly nine hours because of a snag in a critical airborne safety system that helps aircraft avoid mid-air collisions.

The problem was linked to the aircraft's Traffic Collision Avoidance System (TCAS) - a technology that allows planes to electronically "talk to each other" in the sky when they come dangerously close.

AI 173, a Boeing 777 carrying around 250 passengers and crew, had taken off from Delhi at 3.09 am and was overflying China when the issue was detected.

Since a fully functional TCAS is mandatory for flights crossing the North Atlantic oceanic region en route to the US west coast, Air India decided to turn the aircraft back to Delhi as a precautionary measure. The aircraft landed safely at IGI Airport shortly after noon and was sent for technical checks. Senior pilots explained that TCAS is one of aviation's most important safety layers. Installed on commercial aircraft worldwide, the system continuously exchanges signals with nearby planes to assess their altitude, speed and direction. If two aircraft are projected to come too close, the system automatically issues coordinated warnings - instructing one aircraft to climb and the other to descend - thereby preventing a possible collision.

"Globally, a functional TCAS is mandatory for aircraft flying above 29,000 feet. Some regions have even stricter rules and do not permit aircraft without a working TCAS to enter their airspace at any altitude," senior pilots said. Such restrictions apply over areas including the North Atlantic corridor, Europe and parts of West Asia. The malfunction meant the Boeing 777 could not legally continue on its planned route to San Francisco, prompting the lengthy turnaround despite the aircraft already being several hours into the journey.

In a statement, Air India said the flight returned "due to a technical issue in accordance with laid down procedures".

"The aircraft landed safely and will undergo technical inspection in line with Air India's safety standards.

We regret the inconvenience caused to passengers and are making alternative arrangements to fly them to their destination as soon as possible," the airline said, adding that passengers were provided refreshments, hotel accommodation and rebooking options.

2 suspected Ebola cases from Ahmedabad, Bengaluru trigger airport surveillance, quarantine measures across the country

New Delhi, Agency: Health authorities have intensified airport surveillance, traveller monitoring and quarantine measures after suspected Ebola cases surfaced in Bengaluru and Gujarat, though no Ebola infection has been confirmed in India so far.

A 28-year-old Ugandan woman who had been isolated in Bengaluru over suspected Ebola infection has tested negative for the virus, bringing relief amid heightened global concern over fresh outbreaks reported in parts of Africa.

Officials said Airport Health Organisation (APHO) teams are directly contacting travellers arriving from affected countries and isolating even mildly symptomatic individuals as a precautionary measure. "Even if someone reports a slight headache, we do not want to take any chances and are keeping such persons in isolation," an official said, adding that samples are being sent to the National Institute of Virology (NIV) for testing.

Officials said the sample of a suspected Gujarat case has been sent to the National Institute of Virology (NIV), Pune for tests and results are expected in 24 to 48 hours.

The Gujarat case involves a 37-year-old man, Amuri Lokula, who reportedly travelled from the African continent and Bangladesh before arriving in Mumbai and later Vadodara for business purposes with two associates. He was quarantined at Civil Hospital in Ahmedabad on Wednesday.

According to health officials, the man developed fever, cold and cough symptoms and was initially admitted to a private hospital in Vadodara before being shifted to the special Ebola ward set up at Ahmedabad Civil Hospital, after his travel history emerged during screening.

Rs 70K stolen from temple's donation box in Gurugram

New Delhi, Agency: Thieves broke into a temple at Shikohpur village in Sector 78 and fled after stealing over Rs 70,000 from the donation box. The entire incident was captured on CCTV cameras installed in the temple.

According to the police, the incident took place late last night at the Johar Wala temple in the village. On Wednesday morning, when the temple management and attendants arrived, they found the donation box broken and items scattered on the temple premises. They immediately informed the police and cops reached the spot.

The police team found that the CCTV footage showed the thieves entering the temple premises and breaking the donation box with a cutter. An FIR was registered and cops began investigating the matter.

Delhi notifies sweeping overhaul of Capital's fire safety framework

New Delhi, Agency: The Delhi Government has formally notified a sweeping overhaul of the capital's fire safety framework, introducing third-party fire safety auditors, automated compliance monitoring systems and stricter accountability measures for building owners and occupiers.

The reforms, brought through the Delhi Fire Service (Amendment) Rules, 2025, mark one of the most significant changes to Delhi's fire safety regime in recent years. The notification was issued by Lieutenant Governor Taranjit Singh Sandhu under the Delhi Fire Service Act, 2007. Most provisions have come into force immediately, while major changes relating to fire safety certification, auditors and automated monitoring systems will become operational after 90 days.

The Tribune had first reported on May 20 that the Delhi Government was considering a comprehensive restructuring of the fire safety system, including third-party auditors, technology-driven compliance mechanisms and changes in certification procedures. Several of those proposals have now been incorporated into the notified rules.

A key feature of the amended framework is the introduction of empanelled fire safety auditors, who will be authorised to inspect buildings and issue fire safety certificates (FSCs). The auditors may be individuals, firms or companies empanelled by the Director of Delhi Fire Service (DFS). Until now, FSCs were issued directly by the DFS.

Under the new system, building owners or occupiers can appoint an auditor from a DFS-maintained panel. The auditor will inspect premises, certify compliance and upload reports online. Certificates issued by auditors will remain subject to verification by the department.

To strengthen oversight, the rules mandate random inspection of at least five per cent of certificates issued by auditors every quarter. Action has also been provided for false declarations, deficiencies and misrepresentation.

The amendments significantly expand categories of occupancies deemed vulnerable to fire risks. These include residential buildings above 15 metres, hotels above 12 metres, educational and institutional buildings above 9 metres, all assembly buildings, underground structures, hazardous occupancies and large industrial and storage facilities.

Delhi SIR to begin on June 30 final electoral rolls on Oct 7

New Delhi, Agency: Over 42% of Delhi's 1.4 crore electors have already been digitally mapped ahead of Election Commission's special intensive revision (SIR) of electoral rolls under which booth-level officers (BLOs) in the city will begin door-to-door voter verification from June 30.

Ashok Kumar, chief electoral officer of Delhi, said on Wednesday that preparations for the large-scale revision are on in full swing. Training of BLOs, printing of enumeration forms and arranging logistics will be undertaken between June 20 and June 29, while the house-to-house visits by BLOs will continue until July 29. EC has ordered the SIR in Delhi under Article 324 of the Constitution and provisions of the Representation of the People Act, 1950, saying that the revision should be started from June and concluded by Oct 7. The exercise is aimed at removing duplicate and ineligible entries while ensuring all eligible voters are included in the rolls. "EC has announced the revision since many changes have taken place in the existing rolls due to frequent migration since the last SIR was conducted in 2002, resulting in many electors being registered in more than one place. Also, dead voters have to be removed from the rolls," said an EC official.

Over 62.4 lakh electors have been mapped as on May 26 as part of pre-revision activities before the start of field verification, the official said. The mapping was done in the past few months through special camps organised across the city and by BLOs who visited households.

Delhi has around 13,000 polling booths and 13,000 BLOs. "There is one supervisor for every 10 BLOs.

Apart from them, volunteers and additional manpower will be used during the SIR. Altogether, we estimate 20,000 to 25,000 personnel will be deployed," said the official. During the exercise, every existing elector whose name figures in the rolls will receive two copies of an enumeration form from the BLOs. He will have to fill in a copy and return it during the verification process. Voters will also have the option to submit the completed forms online.